TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 136
शुक्रवार, 28 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ–6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में 2 दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई 2 दिसंबर (मंगलवार) तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती देने वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सहित कई अन्य दलों ने भी राज्य में एसआईआर अभ्यास के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

डीएमके की याचिका पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। संगठन सचिव आरएस भारती ने मतदाता सूची की एसआईआर की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए और चुनाव आयोग की 27 अक्टूबर की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसने 24 जून को जारी पूर्व दिशानिर्देशों के आधार पर एसआईआर को तमिलनाडु तक बढ़ा दिया था।

इसने चुनाव आयोग के 24 जून और 27 अक्टूबर के आदेशों को चुनौती दी थी, जिसमें एसआईआर के संचालन का निर्देश दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि यदि एसआईआर और चुनाव आयोग के आदेशों को रद्द नहीं किया जाता है, तो उचित प्रक्रिया के बिना, लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से मनमाने ढंग से वंचित किया जा सकता है, जिससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

अधिवक्ता दीक्षिता गोहिल, प्रांजल अग्रवाल, शिखर अग्रवाल और यश एस. विजय के माध्यम से दायर टीवीके की याचिका में चुनाव आयोग की अधिसूचना को रद्द करने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि एसआईआर अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के तहत संवैधानिक सुरक्षा का घोर उल्लंघन है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरओपीए) की धारा 21 और 23 के तहत वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त, याचिका में यह भी कहा गया है कि एसआईआर बिना किसी कारण या औचित्य के मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार करने के समान है, जो आरओपीए के तहत वैधानिक आवश्यकता का उल्लंघन करता है।

बिहार में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और मजबूती से काम करेगी राजग सरकार: अमित शाह

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में राजग सरकार के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में शाह से मुलाकात की, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की। शाह ने एक्स पर लिखा, बिहार की जनता ने राजग को भारी बहुमत दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, सरकार सुशासन सुनिश्चित करने और विकसित बिहार के विजन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी। पिछली कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे चौधरी को इस बार भी उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

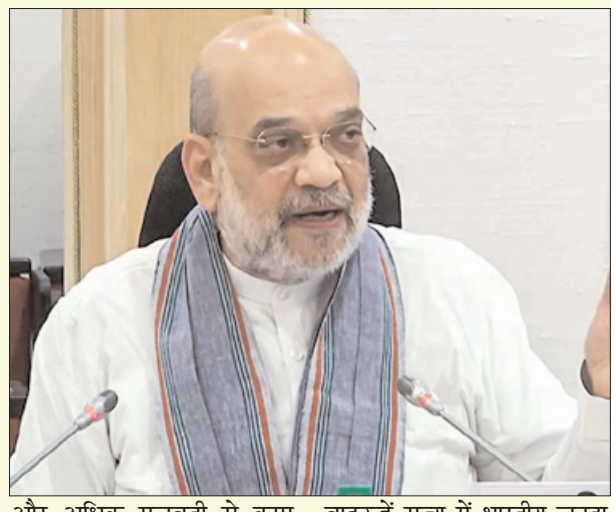

विधानसभा चुनावों में243 में से 202 सीट पर राजग की जीत के बादउन्हें राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता भी चुना गया। चुनाव में राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 सीट जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नए मंत्रिमंडल में पार्टी के 14 मंत्री बनाए गए हैं।

अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से मृत अधिकारियों के परिजनों के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की

लखनऊ, 27 नवम्बर। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को निर्वाचन आयोग से अपील की कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मानसिक और शारीरिक रूप से आहत होकर अपनी जान गंवाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए।

सपा प्रमुख ने इन मृतकों के परिजनों के लिए सपा की तरफ से दो-दो लाख रुपये देने की भी घोषणा की। यादव ने एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दौरान मानसिक और शारीरिक रूप से आहत होने के कारण जिन लोगों की जान जा रही है, उनके लिए निर्वाचन आयोग से ये सीधी अपील है कि वो

एक करोड़ रुपये का मुआवजा दे।

उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से मृतकों के आश्रितों की सहायता की घोषणा करते हुए कहा, हम भी प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये की सहायता राशि देने का संकल्प लेते हैं। यादव ने फतेहपुर की एक खबर का वीडियो भी साझा किया जिसमें दिखाया गया कि एक लेखपाल ने कथित रूप से काम का अत्यधिक दबाव होने के कारण अपनी शादी से एक दिन पहले आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, बिंदकी तहसील के खजुआ ब्लॉक में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार का शव मंगलवार सुबह उनके कमरे में लटका मिला। सुधीर को हाल ही में जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारियां दी गई थीं। सुधीर की मंगेतर काजल ने कहा कि उन पर काम का बहुत अधिक दबाव था, जिससे वह काफी परेशान रहते थे।

गुना सिर्फ मेरा संसदीय क्षेत्र नहीं, मेरा परिवार है: सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया

गुना/ग्वालियर/भोपाल, 27 नवम्बर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज बृहस्पतिवार को मुंद्रा हनुमान बमोरी विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित 20 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री ने मुंद्रा हनुमान (बमोरी) क्षेत्र में आज कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिनमें सबसे प्रमुख परियोजनाएं सड़क परियोजनाएं हैं। आज धोनखेड़ीझ्रसबरामोड़ी, झागरझ्रमुंद्रा हनुमान, बनेहझ्रसबरामोड़ी, मोई -अनवादा, नयागांव-बरोदिया तथा पाटन बाईपास जैसी महत्वपूर्ण सड़कों का लोकार्पण किया गया, जिन पर कुल 10 करोड़ से अधिक की राशि व्यय हुई हैं। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुगम होगा और हजारों लोगों को अधिक नागरिकों की दैनिक यात्रा में उल्लेखनीय सुधार आएगा। यह सड़कें इन हजारों लोगों की जीवन को सुगम बनाने, शहर से आवागमन को आसान करने और व्यापारी, बुजुर्ग, छात्र, महिलाओं सहित सभी को सहूलियत देने में प्रत्यक्ष भूमिका निभाएंगी। इसी क्रम में 1.47 करोड़ लागत से तैयार कपसी, बमोरी के हाई स्कूल भवन का भी लोकार्पण किया गया, जो स्थानीय छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा। सिंधिया ने कहा कि शिक्षा की यह अलख ही गुना के मेरे एक एक बच्चे को प्रतिस्पर्धी विश्व के लिए तैयार करेगी। अब बमोरी के बच्चों को उनके गांव में ही उच्चस्तरीय शिक्षा मिलेगी जो उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करेगी।

अपने संसदीय क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति को मजबूती प्रदान करने के लिए आज केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने चार 33/11 ङ्क्षअ सब-स्टेशनों का

शिलान्यास किया। इनमें मुंद्रा हनुमान (3.08 करोड़), कालीभूत (2.89 करोड़), क्रोंद- आरोन (2.47 करोड़) और धनवाड़ी (2.34 करोड़) में स्थापित होने वाले सब-स्टेशन शामिल हैं। सिंधिया ने कहा कि इन सब-स्टेशनों से ग्रामीण इलाकों में वोल्टेज स्थिरता, कृषि कार्यों के लिए आवश्यक विद्युत आपूर्ति और घरेलू उपयोग हेतु निर्बाध बिजली उपलब्ध होगी। इससे बमोरी, आरोन और आसपास के हजारों परिवारों को लाभ मिलेगा तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

सिंधिया ने कहा कि इन सबस्टेशनों से हाई वोल्टेज बिजली मिलेगी और निर्बाध सप्लाई से इस क्षेत्र के वर्ग को बड़ा फायदा होगा। छात्रों को अपनी पढ़ाई के लिए, महिलाओं को घर के काम काज के लिए और व्यापारियों को अपने व्यापार के लिए अब बिजली का इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि अब निर्बाध सप्लाई से उनको प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। अपने संबोधन में सिंधिया ने गुना संसदीय क्षेत्र के साथ अपने गहरे भावनात्मक और मानवीय जुड़ाव को रेखांकित करते हुए कहा कि गुना केवल मेरा संसदीय क्षेत्र नहीं, बल्कि मेरा परिवार है। यहाँ के हर नागरिक के जीवन में सुगमता और समृद्धि लाना मेरा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक विकास एवं प्रगति की नई अलख जगी है। आज हमारा राष्ट्र विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है, और गुना इस यात्रा का प्रगतिशील हिस्सा बने, यही मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज प्रारंभ की गई सभी परियोजनाएँ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण होंगी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में आने वाले वर्षों में गुना जिला क्षेत्रीय विकास का प्रेरक मॉडल बनेगा।

यूथ कांग्रेस का 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' प्रदर्शन भोपाल में अनियंत्रित, पुलिस को पानी की बौछार का सहारा

भोपाल, 27 नवम्बर। देश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ गुरुवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार करनी पड़ी। कांग्रेस लगातार एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करती रही है और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारत के चुनाव आयोग पर वंचित समुदाय के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से ₹हटाने₹ का आरोप लगाती रही है। एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में कांग्रेस ने देशव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस पार्टी के 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया गया। वहाँ भी प्रदर्शन तब अराजक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स पार करने और शहर के बीचों-बीच प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध करने का प्रयास किया।

विधानसभा की ओर मार्च करने से पहले युवा कांग्रेस के सदस्यों के बड़े समूह पार्टी कार्यालय के पास एकत्र हुए। वोट चोर, गद्दी छोड़ो जैसे नारे लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जवाबदेही की माँग की और एसआईआर की चिंताओं पर तत्काल कार्रवाई की माँग की। सड़क जाम से यातायात बाधित हो गया, जिसके कारण कानून प्रवर्तन कर्मियों को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और आगे बढ़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया।

बलिया में नाबालिग लड़की से बलात्कार के दोषी को 25 साल की कैद

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की से कई महीने तक बलात्कार करने के मामले में बुधवार को एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

अभियोजन पक्ष के अनुसार नरही थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी एक व्यक्ति ने 16 अगस्त 2021 को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव का गोपाल पटेल उसकी 15 वर्षीय बेटी को जान से मारने की धमकी देकर पिछले कई महीने से बलात्कार कर रहा है।किशोरी ने जब मृत बच्ची को जन्म दिया तो मामला सामने आया।

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

-ललित गर्ग

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि

इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिससे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो बुकलेट्स और शिकायतें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां हर अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए, वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

कर्नाटक की सियासत में अब डीके रहेंगे या सिद्धारमैया

स्वदेश कुमार

कर्नाटक की राजनीति में इस समय एक बड़ा राजनीतिक घमासान चल रहा है, जिसका केन्द्र बिंदु उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर टकराव है। दोनों के बीच विवाद इतना गहरा हो गया है कि जिससे पार्टी के अंदर मतभेद साफ नजर आने लगे हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए यह परिस्थिति चुनौतीपूर्ण बन गई है क्योंकि दोनों नेताओं की महत्त्वाकांक्षाएं और राजनीतिक दबाव पार्टी की लाइन के खिलाफ जाकर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। डीके शिवकुमार राजनीतिक रूप से कर्नाटक में अपनी पकड़ मजबूत करते आ रहे हैं। वे लंबे समय से पार्टी के मुख्य नेतृत्व में सक्रिय रहे हैं और उनकी पकड़ पार्टी के अधिकांश कार्यकताओं व नेताओं के बीच है। ऐसे में उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी के मामले में कोई समझौता करने का मन नहीं बनाया। शिवकुमार का मानना है कि उनके अनुभव, जनाधार, और राजनीतिक योगदान के कारण वे इस पद के लिए अधिक योग्य हैं। उन्होंने सीधे तौर पर यह भी संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी से कम पर वे कभी सहमत नहीं होंगे।सिद्धरमैया, जो अभी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, वे भी अपनी कुर्सी छोड़ने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। उनकी भी पार्टी में अपनी पकड़ है और वे भी इस पद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिद्धरमैया के समर्थक भी उनकी सरकार को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और किसी भी तरह की बगावत को पार्टी हित के खिलाफ मानते हैं। इसलिए उनके लिए यह कुर्सी छोड़ना कोई आसान फैसला नहीं है।इस बीच, पार्टी के आलाकमान के लिए स्थिति काफी पेचीदा हो गई है। दोनों नेताओं के बीच हो रहे इस टकराव ने कांग्रेस के रणनीतिक कमजोरियों को उजागर कर दिया है। बगावत इतनी बढ़ चुकी है कि अगर पार्टी नेतृत्व समय पर सही और संतुलित निर्णय नहीं लेता है तो इसका असर विधानसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। खासकर जब पार्टी को कर्नाटक में अपनी पकड़ और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है।

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों की राय में अगर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी इस विवाद को शांति से नहीं सुलझाते हैं, तो पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह टकराव आज केवल मुख्यमंत्री पद का नहीं रहा, बल्कि दोनों के समर्थक भी अलग-अलग मोर्चे पर खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि शिवकुमार के समर्थक तो यहां तक कि बीजेपी से भी संपर्क करने में गुरेज नहीं कर रहे, जो कांग्रेस पार्टी के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह संकेत है कि अगर पार्टी आलाकमान ने समय रहते स्पष्ट निर्देश या मध्यस्थता नहीं की, तो शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी के भीतर अलगाव या विघटन की संभावना भी जताई जा रही है।पार्टी नेतृत्व ने फिलहाल इस मामले में चुप्पी साध रखी है, लेकिन खबरों के अनुसार राहुल गांधी ने पक्षों की बात सुननी शुरू कर दी है। इसके बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाएगा। परंतु इधर दोनों पक्षों के खेमे भी अपनी-अपनी दलीलों को पार्टी अध्यक्ष तक पहुँचा चुके हैं। दोनों ओर से इसकी उम्मीद जताई जा रही है कि जो भी फैसला आएगा, वह उनके लिए स्वीकार्य होगा। लेकिन राजनीतिक धरातल पर देखा जाए तो ऐसा होना मुश्किल लगता है क्योंकि दोनों नेताओं की महत्वाकांक्षाएं इतनी मजबूत हैं कि वे दोनों ही कम समझौता करने को तैयार नहीं हैं।इस विवाद की वजह से कांग्रेस पार्टी के अंदर सशक्त नेतृत्व की कमी उजागर हो रही है। ऐसी स्थिति में पार्टी के लिए जरूरी होगा कि वह जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकाले ताकि आगे बढ़कर चुनाव तैयारी और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। यदि लंबे समय तक यह विवाद बना रहा तो इससे पार्टी के कार्यकर्ता भी निराश हो सकते हैं और विरोधी दलों को भी यह मौका मिलेगा कि वे इसका राजनीतिक लाभ उठाएं।

यह मुद्दा कर्नाटक की राजनीति में भी हलचल मचा रहा है। विपक्षी दल इसे कांग्रेस में अंदरुनी फूट के रूप में दिखा रहे हैं और अपनी ताकत बताने का मौका तलाश रहे हैं। यदि कांग्रेस ने इस विवाद को संभाला नहीं तो कर्नाटक में उसकी सरकार खतरे में पड़ सकती है। ऐसे हालात में पार्टी नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वे दोनों प्रमुख नेताओं के बीच सामंजस्य बनाएं और पार्टी की एकजुटता को बनाये रखें। राजनीतिक जमावट और नेताओं के बीच सत्ता की होड़ ऐसी स्थिति उत्पन्न कर रही है कि कांग्रेस के लिए समय रहते सही निर्णय लेना बेहद जरूरी हो गया है।कर्नाटक की राजनीति में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए यह लड़ाई अब केवल पद की नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली भी हो गई है। पार्टी आलाकमान की भूमिका इस मामले में निर्णायक साबित होगी और राहुल गांधी की मंशा पर सभी की नजरें टिकी हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राहुल गांधी किस तरह का निर्णय लेंगे और वह कैसे दोनों पक्षों को संतुष्ट करेंगे। लेकिन इतना तय है कि कांग्रेस के लिए अब यह मामला केवल नेतृत्व का नहीं, बल्कि समूचे संगठन की स्थिरता का प्रश्न बन चुका है। प्रदेश की राजनीति में जो भी हो, उसका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी देखे जाने की संभावना है, क्योंकि कर्नाटक हमेशा से कांग्रेस की महत्वपूर्ण राजनीतिक जंग का मैदान रहा है।इस समय कांग्रेस नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह गणना से काम लेकर विवाद को जल्द से जल्द समाप्त कराए। तभी पार्टी अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी और आगामी चुनावों में बेहतर स्थिति में नजर आएगी।

धर्मध्वजाः राम की मर्यादा, राष्ट्र का नवोदय

-सुरेश गांधी

रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के 673वें दिन 25 नवंबर इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। जैसे ही मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा फहराई गई, संपूर्ण परिसर जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। हजारों की भीड़, संतों की उपस्थिति, और रामभक्ति की धारा, मानो वर्षों की तपस्या एक क्षण में फलीभूत हो उठी। यह केवल एक ध्वजा का आरोहण नहीं था, यह सदियों के घावों का मरहम था, विरासत का पुनर्गान था, संस्कृति का पुर्नजन्म था। मतलब साफ है राम मंदिर के शिखर पर फहरा रहा यह ध्वज भारतीय सभ्यता के नवयुग का प्रतीक बन गया है। यह ध्वजा सदियों तक उद्घोष करेगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए, कि धर्म केवल मान्यता नहीं, मर्यादा है, राष्ट्र केवल भूगोल नहीं, चेतना है। यह केवल एक आयोजन नहीं था, यह उन भावनाओं का पुनर्जागरण था जिन्हें इतिहास ने बार-बार दबाने की कोशिश की, परन्तु जो अपने मूल स्वभाव में राम की भांति, अविनाशी, अनश्वर और अटल थीं। राम केवल एक नाम नहीं, वे भारतीय चेतना का अखंड नाद हैं। वे मर्यादा हैं, वे दिशा हैं, और वे वह अंतर्मन की रोशनी हैं जो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह दिखाती है। स्वतंत्रता हमें मिली, पर आत्मा को स्वतंत्र होने में वर्षों लगे। राम को कल्पनिक बताने वाली मैकाले की मानसिकता से मुक्ति का यह दशक, मानो देश की आत्मा में राम को पुनः प्रतिष्ठित करने का समय बन गया हो। राम किसी वंश की थाती नहीं, वे संस्कारों की धरोहर हैं। उनमें सत्ता की नहीं, सहयोग की शक्ति है; उनमें भेद की नहीं, भाव की गूंज है। और इसी भाव के साथ अयोध्या धर्मध्वजा स्थापना के इस पावन दिवस पर अपने दिव्यतम रूप में खिल उठी।

रामनगरी को 100 टन पुष्पों से सजाया गया था, जैसे स्वयं प्रकृति प्रभुराम के स्वागत में नृत्यरत हो। देशभर से आए साधु-संत, महंत, आचार्य और लाखों श्रद्धालु, सबने मिलकर वातावरण को एक विशाल तीर्थ में बदल दिया। हर चेहरे पर आनंद, हर मन में अविरल भक्ति और हर कंठ में सियावर रामचंद्र की गूंज... दृश्य ऐसा मानो तुलसीकृत रामायण की वसुंधरा सजीव होकर धरती पर उतर आई हो। वैसे भी राम मंदिर पर फहराता भगवा, धर्म, मर्यादा, सत्य, न्याय और राष्ट्रधर्म, इन पांच आधारों का जीवंत प्रतीक है। आज अयोध्या केवल एक नगर नहीं, यह भारत की आत्मा का उत्सव था। यह उस सांस्कृतिक संकल्प का स्वर था, जिसे इतिहास के झंझावात भी नहीं डिगा सके थे. ह्लमैंने आने वाले एक हजार वर्षों के भारत के लिए नींव रख दी है ह्व इतिहास में ऐसे वाक्य तभी गूंजते हैं जब कोई युग स्वयं को पुनर्परिभाषित कर रहा होता है। यह वाक्य केवल आत्मविश्वास नहीं, बल्कि एक संपूर्ण सभ्यता के पुनरुत्थान का उद्घोष है, एक ऐसी सभ्यता, जिसने हजारों वर्षों तक विश्व को ज्ञान, अध्यात्म, विज्ञान, गणित, दर्शन और संस्कृति की दिशा दी। इन शब्दों में गहराई है, स्थायित्व है, और एक ऐसा भविष्यदर्शन है जो द्रष्टा ही नहीं, कर्ता में भी विश्वास रखता है। यह घोषणा इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह विकास की सीमित व्याख्याओं को तोड़कर सभ्यतागत विकास पर केंद्रित है, वह विकास जो केवल भवन, सड़क, पुल या उद्योग नहीं बनाता, बल्कि राष्ट्र आत्मा को मजबूत करता है। यह वाक्य उस पुनर्जागरण की परिधि बन जाता है जिसके भीतर एक नयी राष्ट्रचेतना जन्म ले रही है, राममंदिर की पूर्णता, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का पुनरुद्धार, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों का पुनःस्थापन, और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका, सब इसी नींव का हिस्सा हैं।

धर्मध्वजा का अर्थः राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति

जब कहा जाता है, ह्लअब आप उसे मजबूत कर सकते हों तो धर्मध्वजा की छाया में साथ आएंह्व, तो यह वाक्य राजनीति की धरती से बहुत परे है। धर्मध्वजा, किसी दल का झंडा नहीं। यह प्रतिनिधित्व है, सहनशीलता का, धर्म का जो किसी एक पंथ तक सीमित नहीं, समरसता, निष्ठा, मयार्दा और न्याय के शाश्वत सिद्धांतों का, वसुधैव कुटुंबकम् की विराट भारतीय दृष्टि का। धर्मध्वजा का अर्थ है, भारत के वे आदर्श जो राम में निहित हैं। राम केवल भगवान नहीं, वे मयार्दा के प्रतीक, धर्म के आधार, न्याय के संवाहक, राजनीति में नैतिकता के मानक और शासन के आदर्श भी हैं। धर्मध्वजा की छाया वास्तव में भारत के उन मूल्यों की छाया है, जो राजनीति को भी दिशा देते हैं, समाज को भी, और राष्ट्र को भी। इस छाया के नीचे खड़े होकर ही आधुनिक भारत को सहस्राब्दियों तक स्थायी बनाने का संकल्प पूर्ण हो सकता है।

रामध्वजः आस्था से राष्ट्रनिर्माण तक

राममंदिर की पूर्णता केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक युग-परिवर्तन है। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, लेकिन 22 जनवरी 2024 को भारत ने अपनी आत्मा पुनः प्राप्त की। यह रामध्वज, भारत की अस्मिता की स्थापना है, पराजय के प्रतीक को पराक्रम में बदलने का क्षण है, और एक ऐसे राष्ट्र का उदय है जो अपनी जड़ों पर गर्व करता है। रामध्वज के फहराने का अर्थ है, भारत अब इतिहास की भ्रांतियों का बोझ नहीं ढोएगा। भारत अब क्षमा की आड़ में अपनी पराजयों को महिमामंडित नहीं करेगा। भारत अब अपनी सभ्यता को पिछड़ा नहीं मानेगा। भारत अब आत्मगौरव से भरा हुआ आगे बढ़ेगा। राम मंदिर केवल मंदिर नहीं, यह भारतीय सभ्यता का जीवित स्मारक है। एक ऐसा स्मारक जो बताता है, सदियों की संघर्ष-गाथा अंततः सत्य, धर्म और न्याय की विजय से पूरी होती है।

राम मंदिर की पूर्णता, वीरता, न्याय और धैर्य का चरम क्षण

राम मंदिर बनने में न केवल 500 वर्ष लगे, बल्कि एक पूरा मानसिक संघर्ष भी लड़ा गया। यह संघर्ष केवल न्यायालयों में नहीं, बल्कि जनमन में भी चला, स्वाभिमान की लड़ाई, इतिहास की पुनर्स्थापना, और सांस्कृतिक आत्मसम्मान के पुनर्जागरण की लड़ाई। राम मंदिर की पुनर्स्थापना ने देश को यह स्मरण कराया कि जो राष्ट्र अपनी आत्मा से कट जाता है, वह दुर्बल हो जाता है. और जो अपने इतिहास को पुनः स्थिर कर लेता है, वह पुनः महान बन जाता है। रामलला के सिंहासन पर विराजने से भारत की चेतना में नई ऊर्जा आई, एक ऐसी ऊर्जा जो केवल विजय नहीं, बल्कि नींव का प्रतीक है। अब दीवारें, शिखर और वैभव गढ़ने का समय जनता का है, यही संदेश है धर्मध्वजा की छाया में आने का।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण, एक व्यापक परिवर्तन

भारत में यह पुनर्जागरण केवल राम मंदिर तक सीमित नहीं। यह व्यापक है, गंगा से गंगा विलास तक, काशी से कश्मीर तक, अयोध्या से अंडमान तक, और भारतीय ज्ञान से वैश्विक कूटनीति तक। यह भारत, अपनी संस्कृति पर गर्व करता है, अपनी परंपराओं को बोझ नहीं मानता, आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी पहचान बनाए रखता है। इस नए भारत में, टेक्नोलॉजी और वेद, एआई और अध्यात्म, चंद्रयान और चित्तशुद्धि, साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। यह वही भारत है जिसकी नींव रखी जा चुकी है, अब उसे मजबूत करना है।

सियासत और राम, दो अलग धाराएं, दो अलग उद्देश्य

सियासत ने लंबे दशक राम को मुद्दा बनाया। लेकिन आज पहली बार राम मुद्दा नहीं, मूल्य बने हैं। राजनीति बदल सकती है, नेतृत्व बदल सकता है, लेकिन जो परिवर्तन समाज और चेतना में उतर जाए, वह स्थायी होता है। राम मंदिर का निर्माण चुनाव का विषय नहीं, एक सभ्यतागत समाधान है। एक ऐसा समाधान जो आने वाले सौ नहीं, हजार वर्षों की सोच के केंद्र में है। आज जब राम जन्मभूमि के मुख्य शिखर पर विशाल केसरिया ध्वज फहराया गया, तो यह केवल धार्मिक ध्वज नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपनी आत्मा की ओर लौट आया है। धर्मध्वजा की छाया में आने का आह्वान उन विद्यार्थियों के लिए है, उन कर्मयोगियों के लिए है, किसानों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों, साधकों, कलाकारों और हर उस भारतीय के लिए है जो भविष्य का भारत बनाना चाहता है। यह आह्वान कहता है, अब केवल सरकार नहीं बनाएगी, अब राष्ट्र जनता बनाएगी। धर्मध्वजा की छाया में आने का अर्थ है, मूल्यों की रक्षा, कर्तव्य का निर्वाह, राष्ट्र के प्रति निष्ठा, संस्कृति के प्रति सम्मान, और भविष्य के प्रति जिम्मेदारी। यह आह्वान है, दर्शक नहीं, निमार्ता बनने का।

आने वाले वर्षों का कैसा होगा भारत?

जिस नींव की बात की जा रही है, वह केवल आज का नहीं, आने वाले सहस्त्र वर्षों का भारत है। यह भारत होगा, आध्यात्मिक रूप से उन्नत, तकनीकी रूप से अग्रणी, आर्थिक रूप से शक्तिशाली, सांस्कृतिक रूप से जगद्गुरु, न्याय, मयार्दा और समता का आदर्श, धर्म और विज्ञान का संगम, वैश्विक समरसता का नेता। यह भारत, राम के आदर्शों पर खड़ा होगा, अष्टाध्यायी की भाषा के सौंदर्य पर चलेगा, बुद्ध के करुणा-मार्ग पर बढ़ेगा, गुरु परंपरा से शक्ति लेगा, विवेकानंद के स्वाभिमान से भरेगा और आधुनिक विज्ञान से दुनिया को नए मार्ग दिखाएगा।

भारत का भविष्य, पीढ़ियां गढ़ेंगी, राजनीति नहीं

भविष्य की वर्षगांठें सरकारें नहीं मनातीं, पीढ़ियां मनाती हैं। जो नींव रख दी गई है, अब उसे स्थायी बनाने का उत्तरदायित्व जनता पर है। धर्मध्वजा की छाया में आने का अर्थ है, भारत के लिए समर्पित होना, ईमानदार श्रम करना, अपनी पहचान पर गर्व करना, और आने वाली पीढ़ियों के लिए पथ बनाना। जब जनता यह समझ लेती है, तो राष्ट्र अजेय हो जाता है।

राम भारत की आत्मा, भारत का आधार

राम, भारत की चेतना हैं। भारत की आत्मा हैं। प्रण हैं। मार्ग हैं। गौरव हैं। नैतिकता हैं। चिंतन हैं। और भविष्य भी हैं। रामध्वज केवल भगवा नहीं, यह भारतीयता का ध्वज है। एक ऐसा ध्वज जो 21वीं सदी के भारत में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना त्रेतायुग में था। राम वह शक्ति हैं जो भारत को जोड़ती है, उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम, अतीत से भविष्य। मतलब साफ है राम मंदिर की पूर्णता के बाद जब धर्मध्वजा शिखर पर फहराई जाती है, तो यह केवल मंदिर का वैभव नहीं, बल्कि एक नए भारत की परिकल्पना को आकाश में लिखने जैसा है। ह्लमैंने आने वाले एक हजार वर्षों के भारत के लिए नींव रख दी हैह्व, यह वाक्य इतिहास का नहीं, भविष्य का उद्घोष है। और जब कहा जाता है, ह्लयदि उसे मजबूत कर सकते हों, तो धर्मध्वजा की छाया में साथ आएं,ह्व तो यह आह्वान प्रत्येक भारतीय के लिए है, हमारी चेतना के लिए, हमारे कर्तव्य के लिए, हमारे गौरव के लिए और हमारे भविष्य के लिए। रामध्वज अब केवल मंदिरों पर नहीं, भारत की आत्मा पर फहरा रहा है। अब दीवारें और शिखर हम सबको मिलकर खड़े करने हैं, तभी यह भारत आने वाले हजार वर्षों तक जगद्गुरु बनकर खड़ा रहेगा।

रामः भारत की सांसों में बसता एक शाश्वत आलोक

भारत की आत्मा, आस्था और आदर्श का अमिट प्रतीक है. भारत की सभ्यता जिस अविरल धारा की तरह अनादि काल से बहती चली आ रही है, उसके स्रोत में यदि कोई एक नाम सबसे उज्ज्वल, सबसे सुग्राह्य, सबसे प्रेरक और सबसे पवित्र दिखाई देता है, तो वह है, श्रीराम। राम केवल किसी धर्म के देव नहीं, किसी काव्य के नायक नहीं, किसी युग के इतिहास नहीं, वे भारत का सर्वस्व हैं। भारत का विचार, भारत की वाणी, भारत की चेतना, भारत की मर्यादा और भारत की आत्मा, सब कुछ। भारत की मिट्टी के कण - कण में, जन - मन के भाव - भाव में, भाषा - संस्कृति के अक्षर - अक्षर में, ऋषि - परंपरा के संकल्प - सत्य में, हर भाव, हर श्वास, हर प्रार्थना में एक ही स्वर उभरता है ह्लजय श्रीरामह्व। यह सिर्फ एक उद्गार नहीं, यह भारत का आत्म-प्रकाश है। जब भारत की परिचय-रेखा खींची जाती है, तो उसमें पर्वत, नदियां, जंगल, धरती, इतिहास और ऋषि - परंपरा जितने महत्त्वपूर्ण हैं, उतनी ही गहराई से इसमें राम का नाम भी प्रतिध्वनित होता है। भारत के लिए राम आस्था के केन्द्र भर नहीं, बल्कि वह आत्मिक आधार हैं, जिस पर इस देश की सामूहिक चेतना खड़ी है। घर - घर के द्वार पर राम का नाम, जन - मन के आचरण में राम की नीति, और भारतीय जीवन के हर संकल्पात्मक उत्थान में राम का आदर्श, यह सब मिलकर एक अखंड राष्ट्र-स्वर रचते हैं। भारत के लिए राम का स्मरण देवत्व की वंदना से अधिक चरित्र की स्थापना है। राम इस राष्ट्र के भीतर उस दीपस्तंभ की तरह जलते हैं, जो अंधकार में भी दिशा दिखाता है, धैर्य की, धर्म की, सत्य की और मर्यादा की।

राम विचार हैं, विधान हैं, चेतना हैं और चिंतन भी

भारत का दर्शन, उसकी उपासना, उसकी संस्कृति, उसकी नीति - नेति, उसके ऋषि, उसके महापुरुष, सबकी जड़ों में राम का भाव समाया है। राम का जीवन स्वयं भारतीय चिंतन का एक पूर्ण ग्रंथ है। उनमें नीति है, विनय है, बल है, बुद्धि है, समर्पण है, संघर्ष है और समाधान भी। भारत का धार्मिक विधान, सामाजिक संस्कार, नैतिक अवधारणाएँ, लोक परंपराएँ, सभी को राम ने मयार्दा की उस पवित्र लकीर से जोड़ा, जो आज भी भारतीय जीवन का मूलाधार है। जो राम को समझ लेता है, वह भारतीय चिंतन के शिखर को छू लेता है। राम की प्रतिष्ठा धार्मिक मयार्दा की सीमा नहीं, बल्कि सत्य के प्रति अडिग निष्ठा का प्रताप है। वे जितने सरल, उतने ही शौर्यवान; जितने विनम्र, उतने ही पराक्रमी; जितने सहज, उतने ही प्रखर। राम नीति के पथ-प्रदर्शक हैं और नेति के निर्णायक भी, किसे करना है, किसे छोड़ना है, किसे अपनाना है, किससे दूर रहना है, इन सभी निर्णयों का उत्तम मार्ग यदि किसी ने दिखाया है, तो वह राम हैं। राम का प्रताप उनके धनुष में नहीं, बल्कि उनके धर्म में है। राम की शक्ति उनके शौर्य में नहीं, बल्कि उनकी सत्यनिष्ठा में है। राम की विजय उनके राज्याभिषेक में नहीं, बल्कि उनकी मयार्दा में है। राम मित्रता के ऐसे आदर्श हैं, जो समय के क्षरण में भी फीके नहीं पड़े। उनकी मित्रता में सत्ता की लालसा नहीं, केवल आत्मीयता की शुचिता है। वे निषादराज के कंधे पर रखे हाथ में भी उतने ही आत्मीय हैं, जितने सुग्रीव के राज्याभिषेक में। राम बताते हैं कि संबंध समानता पर नहीं, संवेदना पर टिकते हैं। यही कारण है कि राम समय की धारा में बदलते नहीं, वे भारतीय परंपरा की निरंतरता बनकर चलते हैं।

राम विजयोन्मुख शक्ति हैं और विश्व-विश्वास का विस्तार भी

राम की विजय किसी शत्रु पर नहीं, बल्कि अहंकार, अन्याय और अधर्म पर है। उनका विजयोन्मेष किसी तलवार का कौशल नहीं, बल्कि धर्म के संरक्षण का संकल्प है। राम एक ऐसे आदर्श हैं जिनमें बल भी है और करुणा भी; न्याय भी है और क्षमा भी; वाण भी है और वचन भी। उन्होंने दुनिया को यह बताया कि ह्लविजय शक्ति से नहीं, सत्य से मिलती है।ह्व राम जितने भारत के हैं, उतने ही विश्व के। उनका चरित्र विशुद्ध मानवता का संदेश है, विश्वास का, वचन का, वंदना का।

राम भारत का सर्वस्व, धड़कन और शाश्वत सत्य

राम भारतीय जीवन के भीतर लयबद्ध स्पंदन की तरह बसते हैं। नवजात शिशु के कानों में बोला जाने वाला पहला शब्द भी कई बार ह्लरामह्व होता है, और मृत्यु के समय अंतिम स्मरण भी, ह्लराम नाम सत्य हैह्व यह संयोग नहीं, यह संस्कृति की सांसों में बसा हुआ सत्य है। भारत के लोकगीत राम से शोभित हैं, रामायण की चैपाइयाँ भारत की आत्मा को मुखर करती हैं, गाँव 7- गाँव की कथाएँ राम की करुणा से भरी हैं, और भारत का प्रत्येक त्यौहार किसी न किसी रूप में राम की परंपरा से जुड़ा है। अयोध्या की पावन भूमि से लेकर हिमालय के निर्जन आश्रमों तक, दक्षिण सागर के तट से लेकर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों तक, जहाँ भी कोई भारतीय बसता है, वहाँ राम स्वाभाविक रूप से बसते हैं। राम किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक युग का चरित्र हैं, नैतिकता के शिखर, आचरण की कसौटी, और मनुष्य के भीतर बसे देवत्व का प्रकाश। राम यह बताते हैं कि मनुष्य अपने जीवन को कितना ऊँचा उठा सकता है, यदि उसके भीतर सत्य हो, श्रद्धा हो, धैर्य हो, समर्पण हो, और मयार्दा हो। राम के बिना भारत का इतिहास अधूरा है, भारत की संस्कृति अधूरी है, भारत की आध्यात्मिक यात्रा अधूरी है। मतलब साफ है राम केवल पूजनीय नहीं, अनुभवनीय हैं। वे केवल आराध्य नहीं, आदर्श हैं। वे केवल कथा नहीं, जीवन का सत्य हैं। भारत राम में बसता है और राम भारत में। भारत की धड़कन राम हैं, भारत की प्रार्थना राम हैं, भारत की पहचान राम हैं। राम हमारे भीतर उस प्रकाश की तरह हैं जो अंधियारों को नहीं देखता, केवल उजाला रचता है। और जब तक भारत की मिट्टी में एक भी धड़कन जागृत है, राम अमर हैं। राम अनादि हैं। राम अनंत हैं। राम, भारत की आत्मा, भारत का आधारः एक शाश्वत सांस्कृतिक सत्य का महागान.

राम केवल देव नहीं, भारत की धड़कन हैं

भारत की संस्कृति में कुछ नाम ऐसे हैं जो मात्र उच्चारण भर से मन में श्रद्धा, शक्ति, मयार्दा और विश्वास का प्रकाश जगा देते हैं। ह्लरामह्व उनमें सर्वोच्च हैं। यह नाम केवल किसी देवता का नाम नहीं, बल्कि भारत की चेतना का सार है। वह भावना है जो करोड़ों लोगों के हृदय में धड़कती है, वह आदर्श है जो कठिन समय में मार्ग दिखाता है, और वह प्रकाश है जिसके बिना भारतीय सभ्यता के किसी पक्ष की कल्पना भी अधूरी है। राम भारत की आस्था हैं, भारत का आधार हैं। वे विचार हैं, विधान हैं, चेतना और चिंतन हैं। वे प्रतिष्ठा भी हैं और प्रताप भी; प्रभाव भी हैं और नीति - नेति का सनातन मार्ग भी। मित्रता की मयार्दा, कर्तव्य का धर्म, विजय का प्रकाश और लोककल्याण की भावना, सब राम में समाहित है। यही कारण है कि भारत का हर पथ, हर पर्व, हर संस्कृति और हर धड़कन राममयी दिखाई देती है। आज जब विश्व भारतीय मूल्यों की ओर लौट रहा है, तब राम का आदर्श और भी प्रासंगिक हो उठा है। यह लेख राम को देवत्व से आगे बढ़कर एक सांस्कृतिक, मानवीय, दार्शनिक और राष्ट्रीय मार्गदर्शक के रूप में समझने का प्रयास है।

रामः भारत की आस्था का शाश्वत स्रोत

भारतीय जनता की आस्था केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं। यह जीवन जीने का आधार है। इस देश में जन्म लेते ही बच्चों के कानों में पहली ध्वनि ह्लराम-रामह्व की ही पड़ती है। किसी अनजाने से मिलते समय भी भारतवासी ह्लराम-रामह्व कहकर ही संवाद आरम्भ करता है, क्योंकि यह अभिवादन मात्र शब्द नहीं, बल्कि पवित्र संबंध का सेतु है। ग्राम-देहातों से लेकर नगरों और महानगरों तक, राम की छवि लोगों के भीतर ऐसी बसती है मानो वह स्वयं परिवार का हिस्सा हों। वे दुःख में आस्था का आसरा हैं, और उत्सव में उमंग के प्रतीक। इसी आस्था ने सहस्राब्दियों तक भारत को एकसूत्र में पिरोए रखा। राम का जीवन किसी राजकुमार की कहानी नहीं, बल्कि धर्म, नीति, त्याग और मयार्दा का जीवन-दर्शन है। राम का विचार केवल धर्म का विचार नहीं, अधर्म, अन्याय और क्रूरता के विरुद्ध खड़े होने का विचार है। उन्होंने सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य के लिए संघर्ष किया। आज के समय में जब दुनिया अस्थिरताओं से घिरी दिखाई देती है, तब राम का विचार मानवता का संतुलन बनकर सामने आता है। रामराज्य केवल एक राजनीतिक आदर्श नहीं, बल्कि यह मानवीय शासन का सर्वोत्तम स्वरूप है, जहाँ राजा की सफलता उसकी सुख-सुविधा से नहीं, बल्कि जनता के सुख से मापी जाती है। जहाँ शासन शक्ति का उपकरण नहीं, सेवा का माध्यम होता है। राम एक चेतना हैं, ऐसी चेतना जो व्यक्तियों को नहीं, समाज को बदलती है। वे समुदायों को जोड़ते हैं, सीमाओं को पार करते हैं, और मनुष्यता को सर्वोच्च स्थान देते हैं। राम का चिंतन मनुष्य को सिखाता है, जीवन की कठिन परिस्थितियाँ भी यदि मयार्दा के भीतर जिया जाए, तो वे ही महान गाथा बन जाती हैं। राम का चिंतन आदर्श है, किंतु वह आदर्श जीवन की वास्तविकताओं से संघर्ष करते हुए चमकता है। राम की प्रतिष्ठा केवल अयोध्या के राजकुमार की प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि धर्म के राजाधिराज की प्रतिष्ठा है। उनका प्रताप बाणों में नहीं, बल्कि नैतिक बल में था। उनका प्रभाव किसी सत्ता का प्रभाव नहीं, बल्कि आदर्श का प्रभाव था। राम ने सत्ता के लिए नहीं, सत्य के लिए युद्ध किया। उन्होंने व्यक्तिगत इच्छाओं का त्याग कर लोकहित को चुना। उन्होंने वचन को जीवन से बड़ा माना। यही कारण है कि राम का प्रताप समय के साथ नहीं घिसा, बल्कि बढ़ता गया। आज भी दुनिया में जब नैतिक राजनेता की चर्चा होती है, तो राम का आदर्श पहली पंक्ति में खड़ा दिखाई देता है। राम के जीवन में मित्रता केवल संबंध नहीं, बल्कि धर्म है। निषादराज, सुग्रीव, हनुमान, विभीषणकृप्रत्येक संबंध राम के चरित्र को एक नया आयाम देता है। उन्होंने दिखाया कि मित्रता व्यक्ति की जाति, रूप, धन या पद से नहीं, बल्कि हृदय की पवित्रता और निष्ठा से जन्म लेती है। मित्रता केवल सुख का नहीं, संकट का साथ होती है। जो साथ धर्म का हो, वही सच्चा साथ होता है। राम की मित्रता भारतीय समाज में आदर्श बन गई, यही परंपरा आज भी पवित्र रिश्तों को मजबूती देती है।

रामः विजय का प्रकाश, अहंकार पर जीत की कथा

राम की विजय केवल रावण पर विजय नहीं, बल्कि अहंकार पर, अज्ञान पर, अतिशय बल पर, और सामर्थ्य-भ्रम पर विजय है। रावण का बध केवल एक व्यक्ति का अंत नहीं था, वह हर उस प्रवृत्ति का अंत था जो शक्ति को ज्ञान से ऊपर रखती है। राम विजयोन्मुख इसलिए हैं क्योंकि उनकी विजय धर्म पर आधारित थी, अत्याचार, लालच और अधर्म के विरुद्ध न्याय के पक्ष में खड़ी थी। राम केवल भारत के नहीं, विश्व के नायक हैं। इंडोनेशिया, कम्बोडिया, थाईलैंड, नेपाल, श्रीलंका, जापानकृदर्जनों देशों में रामकथा आज भी जीवित है। क्योंकि राम का चरित्र ऐसा है जो सीमा नहीं देखता, जाति नहीं पूछता, भाषा नहीं पूछता, बल्कि केवल मानवता को प्राथमिकता देता है। राम ऐसा नाम है जिस पर दुनिया भरोसा करती है, और यही भरोसा भारतीय संस्कृति को वैश्विक बनाता है। राम भारत के लिए केवल देवता नहीं, बल्कि भाव, प्रतीक और पथप्रदर्शक हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल सिंह के आकस्मिक निधन से शोक की लहर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर के मुलुंड शहर के वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व उपाध्यक्ष मुंबई कांग्रेस एवं सर्व हितैषी डॉ बाबूलाल रामकृपाल सिंह का हृदयगति रुक जाने से आकस्मिक निधन देर रात्रि बुधवार 26 नवंबर 2025 को हुआ। उक्त खबर सुनकर मुलुंड ही नहीं अपितु उनके संपर्क में रहने वाले नागरिक जो कई दशकों से जानते थे ऐसे संपूर्ण महानगर के नागरिक अवाक हो गये।मुलुंड के संरक्षक कहे जाने वाले बाबूलाल सिंह के जाने से मुलुंड सहित भांडुप, ठाणे,नाहुर की जनता शोक की लहर में दिखाई दिया। डॉ बाबूलाल सिंह मध्य रेलवे लाइन पर संचालित साहित्यिक मंचों के केंद्र बिंदु थे। महानगर में कोई भी ऐसा साहित्यिक मंच अछूता नहीं रहा जिनके साहित्यिक समारोह में उनकी उपस्थिति नहीं रही हो।महानगर के सभी साहित्यकार, शिक्षक,कामगार, व्यापारी, चिकित्सक अपने शुभचिंतक की आत्मा के शांति हेतु उनके अंतिम दर्शन एवं यात्रा में पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। डॉ साहब की अंत्येष्टि गुरुवार 27 नवंबर 2025 को संध्याकाल उनके पुत्र डॉ सचिन सिंह के हाथों मुलुंड पश्चिम स्थित डंपिंग रोड श्मशान भूमि पर हजारों की संख्या में उपस्थित हितैषियों की उपस्थिति में किया गया। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, उद्योगपति शारदा प्रसाद सिंह, मुंबई कांग्रेस के महासचिव डॉ किशोर सिंह, तरुण कला संगम के अध्यक्ष उद्योगपति चित्रसेन सिंह, भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, भाजपा नेता सुरेश सिंह समेत अनेक गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

सड़क पर उड़ती धूल से भिवंडी के लोगों को खांसी और सांस की समस्याओं का प्रकोप

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर और ग्रामीण इलाकों की सड़कों के बदहाली के कारण सड़कों से उड़ती धूल ने भिवंडी के लोगों और इस रास्ते पर चलने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ा दिया है। सड़क से उड़ती धूल ने शहर और ग्रामीण इलाकों में एयर पॉल्यूशन के कारण लोगों को खांसी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी है। वहीं शहर में अंजुर फाटा से कल्याण नाका के बीच सड़क चौड़ीकरण करने का काम चल रहा है जिससे शहर में तोडक कार्रवाई का काम किया जा रहा है। इस सड़क चौड़ीकरण करने के काम की वजह से बहुत ज्यादा धूल उड़ रही है और शहर में पॉल्यूशन हो गया है। इसी तरह भिवंडी वाडा रोड, भिवंडी अंजुर फाटा चिंचोटी हाईवे, अंजुर फाटा ठाणे हाईवे और भिवंडी पारोल हाईवे समेत शहर से सटी सड़कों पर दुरुस्ती का काम चल रहा है जिससे सड़क पर बहुत ज्यादा धूल उड़ रही है। इस धूल की वजह से सड़क पर दिखाई देना कम हो जाती है, इसलिए लोगों को सावधानी और धीरे-धीरे गाड़ी चलानी पड़ती है, जबकि कई लोगों को इस उड़ती धूल की वजह से खांसी और सांस की बीमारियां हो रही है, इसलिए सड़क पर सफर करते समय लोगों को बहुत परेशानी होती है।

डाबर च्यवनप्राश ने डिजिटल इम्यूनिटी स्कोर असेसमेंट के साथ सिस्टमैटिक इम्यूनिटी प्लान कैंपेन लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत की सबसे बड़ी विज्ञान पर आधारित आयुर्वेद कंपनी, डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने खास स्वास्थ्य उत्पाद, डाबर च्यवनप्राश के लिए एक नया और बेहतरीन स्वास्थ्य अभियान शुरू करने की घोषणा की है, जिसका नाम है सिस्टमैटिक इम्यूनिटी प्लान। डाबर च्यवनप्राश का सिस्टमैटिक इम्यूनिटी प्लान एक आसान मगर पूरी योजना है जिसके चार मुख्य हिस्से हैं। यह लोगों को रोजाना अच्छी आदतें डालकर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) मजबूत बनाने के लिए प्रेरित करती है। इस प्लान में अच्छी सेहत के तीन जरूरी चीजें शामिल हैं: संतुलित खाना, रोजाना कसरत करना, और वैज्ञानिक रूप से फायदा पहुँचाने के लिए रोजाना दो चम्मच डाबर च्यवनप्राश खाना। इसका चौथा और सबसे जरूरी हिस्सा है अपनी इम्यूनिटी की जाँच करना और उस पर नजर रखना। इसके लिए एक नया डिजिटल टूल लाया गया है जो बताता है कि आपकी इम्यूनिटी कैसी है और आप इसे कैसे सुधार सकते हैं। यह प्लान सिखाता है कि अच्छी इम्यूनिटी बनाना कोई एक दिन का काम नहीं, बल्कि रोजाना और लगातार करने वाला काम है। डाबर च्यवनप्राश का सिस्टमैटिक इम्यूनिटी प्लान स्वास्थ्य के प्रति हमारी पूरी लगन को दर्शाता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बनाना केवल एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि एक दैनिक अभ्यास है। हमने डाबर च्यवनप्राश में मौजूद आयुर्वेद के सदियों पुराने ज्ञान को, जिसमें आँवला, गिलोय और अश्वगंधा जैसी 40 से अधिक शक्तिशाली जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं, आधुनिक डिजिटल तकनीक के साथ जोड़ा है। यह नया 'इम्यूनिटी स्कोर ट्रैकर' प्रत्येक व्यक्ति को उसकी विशेष जरूरतों को समझने और एस.आई.पी. को अपने हिसाब से से अपनाने की शक्ति प्रदान करता है। श्री अमित गर्ग, मार्केटिंग हेड- हेल्थ सप्लीमेंट्स, डाबर इंडिया लिमिटेड। स्वास्थ्य प्रबंधन को इंटरैक्टिव (परस्पर संवादात्मक) और व्यक्तिगत बनाने के लिए, इस अभियान में 'इम्यूनिटी स्कोर असेसमेंट' नामक डिजिटल सुविधा पेश की गई है। ग्राहक इस टूल का उपयोग डाबर च्यवनप्राश के पैक पर दिए गए एक खास बारकोड को स्कैन करके कर सकते हैं। अपनी मौजूदा जीवनशैली और स्वास्थ्य की आदतों से जुड़े कुछ आसान सवालों के जवाब देने के बाद, उपयोगकर्ता को तुरंत एक 'इम्यूनिटी स्कोर' मिलता है, जो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून फिटनेस) का आधारभूत मूल्यांकन होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टूल बाद में उनके स्कोर और संपूर्ण इम्यूनिटी को बेहतर बनाने के लिए पोषण, व्यायाम और आदतों पर आधारित विशेष सुझाव और सलाह प्रदान करेगा, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर एक मजबूत और स्वस्थ जीवन जी सकें। यह अभियान, हमारे हाल ही में घोषित अभियान बीमार या तैयार का एक अभिन्न अंग है, जिसे ग्राहकों को लगातार और सचेत आदतों के माध्यम से एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) बनाने और बनाए रखने के बारे में शिक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

तलासरी पंचायत समिति की वार्षिक समीक्षा

अपूर्ण कार्यों को जल्द पूर्ण करने के आदेश : एडी. सी.ई.ओ. रविंद्र शिंदे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जनपद के तलासरी पंचायत समिति के वित्तीय वर्ष 2021-22 के वार्षिक कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (साप्रवि) इजाज अहमद शरीक मसलत के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में सभी विभागों ने अपने कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में निर्माण विभाग, ग्राम पंचायत पानी आपूर्ति, लघु पाटबंधारे तथा पीएम आवास योजना से जुड़े लंबित व अधूरे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिए कि दिसंबर 2025 तक सभी अपूर्ण घरकुल 100 प्रतिशत पूर्ण किये जायें। साथ ही तीन महीने से अधिक समय से अनुपस्थित कर्मचारियों पर विभागीय जांच प्रस्तावित करने के आदेश भी दिए गये। कृषि, पशुसंवर्धन, समाज कल्याण तथा महिला व बाल कल्याण विभागों को लाभार्थियों की जांच के दौरान डुप्लीकेट प्रविष्टियों पर कड़ी रोक लगाने का निर्देश दिया गया। वर्ष 2025-26 के सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। प्रशासनिक कार्यों में गति लाने के लिए आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का अधिकतम उपयोग करने की आवश्यकता स्पष्ट की गई। एडीसीईओ रविंद्र शिंदे ने बताया कि आगामी समय में एआई अथवा द्वारा जनरेट फाइलें ही 100% ई-ऑफिस के माध्यम से प्रस्तुत की जायें तथा इस व्यवस्था को दिसंबर अंत तक पूरी तरह लागू किया जाये। एआई के प्रभावी उपयोग को लेकर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत ने विस्तृत मार्गदर्शन दिया। बैठक में नए नियुक्त एवं पदोन्नत कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सभी ग्राम पंचायतों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट विकसित करने के निर्देश भी जारी किए गए। लंबित कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगे की प्राथमिकताओं को तय करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक के उपरांत एडीसीईओ रविंद्र शिंदे ने तलासरी के गिरगांव स्थित जिला परिषद विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों व शिक्षकों से संवाद कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी में पोषण आहार की भी जांच की तथा घरकुल एवं दलित बस्ती में चल रहे कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए।

फिल्मी सितारों ने थामा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का दामन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर मुंबई कांदिवली पश्चिम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) के प्रदेश महासचिव तथा हिंदी भाषी प्रकोष्ठ के महाराष्ट्र प्रमुख डॉ.पारसनाथ तिवारी के नेतृत्व में, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार व प्रदेश अध्यक्ष सुनिल तटकरे के विचारों को हिंदीभाषियों तक पंहुचाने के लिये फिल्म अभिनेता राजीव सिंह, फिल्म लेखक मनोज पाण्डेय, अमित ठाकुर सहित दर्जनों लोग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार)में शामिल हुये। कार्यक्रम में पार्टी के जिला पदाधिकारी राणा सुदर्शन सिंह, हिंदीभाषी सेल के प्रदेश महासचिव राजकुमार तिवारी, सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष मुनीब पाण्डेय सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर पालघर में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित

महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित, संविधान प्रास्ताविका का किया गया सामूहिक वाचन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग की ओर से बुधवार 26 नवंबर 2025 को पालघर जिला कार्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रातः 8 बजे सहायक आयुक्त समाज कल्याण कार्यालय में प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ मान्यवर अतिथियों के हाथों दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रपुरुष महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि छत्रपती शाहू महाराज तथा भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के चित्रों पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सहायक आयुक्त पांडुरंग वाबले ने प्रास्ताविक रखते हुए सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं भारतीय संविधान की उद्देशिका की फ्रेम देकर स्वागत किया। उन्होंने संविधान में निहित समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों को दैनिक जीवन में लागू करने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में भारतीय संविधान की प्रास्ताविका का सामूहिक वाचन कर राष्ट्र के प्रति निष्ठा का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में मा. निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, सहायक आयुक्त समाज कल्याण पालघर पांडुरंग वाबले, सहायक संचालक इतर मागास बहुजन कल्याण शुभांगी लोणकर, जिला नियोजन अधिकारी भांबरे, समाज कल्याण अधिकारी प्राजक्ता पानसरे तथा एसबीआई बैंक के मैनेजर विजय संखे उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रमुख बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

भाजपा ने मतदाता सूची में जान बूझकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत ने पत्रकार परिषद में आरोप लगाया है कि भिवंडी मनपा द्वारा मतदाता सूची तैयार करते समय मनपा के कर्मचारियों, भूभाग लिपिक, बीट निरीक्षकों ने पैसे के लालच में जान बूझकर मतदाता सूची में छेड़छाड़ की है। वहीं इस पत्रकार परिषद में भाजपा नेता श्याम अग्रवाल, विठोबा नाईक (बिल्ला सेठ), ममता परमानी, विट्ठल बाफना, श्याम भोईर, प्रवीण मिश्रा, विकास बाफना, मोहन कोंडा, राजू गाजेंगी आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। मनपा चुनाव विभाग द्वारा मतदाता सूची जारी करने के बाद हमारे कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची की जांच की और पाया कि कई नाम डुप्लीकेट थे। कई वार्डों की सूची को दूसरे वार्डों के साथ मिलाकर वोटरों के साथ अन्याय होने की भावना व्यक्त करते किए। वहीं सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में गड़बड़ी का की बात कर रहे हैं। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता सतर्क नजर रखेंगे ताकि चुनाव पारदर्शी और स्वस्थ माहौल में हो सकें और शहर अध्यक्ष रवि सावंत ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वार्डों की मतदाता सूची का प्रारूप तैयार करते समय वास्तविक स्थल निरीक्षण व जांच करना जरूरी होता है। लेकिन भूमि लिपिकों ने आर्थिक लाभ के लिए सूचियों को तोड़ने का काम किया है। इसके चलते पूर्व सभागृह नेता श्याम अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि मानसरोवर के वार्ड क्रमांक 22 के नाम वार्ड क्रमांक 17 में शामिल कर दिए गए। वार्ड में बीएलओ घूम रहे हैं और विधायक रईस शेख कुछ नामों को कम करने के लिए जबरदस्ती दबाव बना रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण सुख के ससुर जवाहरलाल खन्ना व मोतीलाल गुप्ता पिछले कई सालों से भिवंडी में रह रहे हैं। विधायक रईस शेख ने यहां से 300 नामों को जबरन बाहर करने के लिए आवेदन दिया है जिसमें उनका नाम भी शामिल है। श्याम अग्रवाल ने सवाल उठाया है कि भ्रम की स्थिति पैदा करने वाले कर्मचारी दोबारा मतदाताओं को कैसे रोकेंगे।

बदलापुर में मुख्यमंत्री का चुनावी सभा – भाजपा को वोट दें शहर का विकास करें

चेतन निर्मल संवाददाता
बदलापुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर नगर परिषद चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुवे राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा की लोकल ट्रेन को गतिमान करने और कोचों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ मेट्रो जैसे कोच भी लगाए जाएंगे। यह सुविधा देते समय सेकंड क्लास के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। इतना ही नही इस इलाके की पानी समस्या को दूर करने के लिए उनकी सरकार शिलार और पोशिर ये दोनों बांधों का काम जल्द पूरा करने के लिए एम एम आर डी ए निधी देगा। अंबरनाथ और बदलापूर में नल शुरू करते ही पानी आएगा। इस प्रकल्प के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है, इसी तरह मेट्रो 14 का काम आचार संहिता और सरकार के स्थगन के कारण अडक गया था, लेकिन अब काम शुरू हो गया है। इसे साढ़े तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। हमें विकास की दिशा में काम करना चाहिए और शहर को आगे बढ़ाने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए। विकास की संकल्पना को अस्तित्व में लाने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए। जो लोग विकास नहीं जानते, वे टीका-टिप्पणी करते हैं और उल्टा-सीधा बोलते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, नगरपालिका विकास के लिए होनी चाहिए, न कि केवल पार्टी के झंडे लाने के लिए या कुर्सियाँ तोड़ने के लिए। हमें विकास की दिशा में काम करने वाली नगरपालिका चाहिए। विकास काम चाहिए तो भाजपा को वोट करें मैदान में खड़े भाजपा के उम्मीदवार को विजयी बनाये।

सोमानी सेरेमिक्स ने मुंबई में अपना एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की प्रमुख और भरोसेमंद सेरेमिक कंपनियों में से एक, सोमानी सेरेमिक्स ने पश्चिमी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ को और बढ़ाते हुए मुंबई के अंधेरी ईस्ट में अपना सबसे बड़ा कंपनी-स्वामित्व वाला एक्सपीरियंस सेंटर शुरू किया है। यह लॉन्च कंपनी की विकास यात्रा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अपने आधुनिक डिजाइन, नवाचार और पूरे देश में मजबूत मौजूदगी के लिए मशहूर सोमानी का यह नया एक्सपीरियंस सेंटर ग्राहकों को एक बेहतरीन और नए तरह के प्रोडक्ट्स देखने-समझने का अनुभव देने के लिए बनाया गया है।

करीब 7,000 वर्ग फुट में फैला यह सेंटर कंपनी की डिजाइन क्षमता और विविध प्रोडक्ट रेंज को दर्शाता है। इनमें बड़े साइज के स्लैब्स, फ्लोर टाइल्स, पॉलिश्ड विट्रिफाइड, ग्लेज्ड विट्रिफाइड, हेवी-ड्यूटी विट्रिफाइड और सेरेमिक्स टाइल्स शामिल हैं। इसके साथ ही कंपनी के नए प्रोडक्ट Elita और Senso भी पेश किए गए हैं। बाथवेयर में French और Signature कलेक्शन, और साथ ही ऐ Fix एडहेसिव्स, ग्राउट्स और वॉटरप्रूफिंग सॉल्यूशंस भी उपलब्ध हैं।

एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन श्री अमित सहाय, सीईओ (टाइल्स), सोमानी सेरेमिक्स ने किया। लॉन्च के मौके पर उन्होंने कहा, हम मुंबई में देश के सबसे बड़े सोमानी एक्सपीरियंस सेंटर में से एक को लॉन्च करते हुए बेहद उत्साहित हैं। मुंबई हमारे लिए हमेशा से एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और यहां सेरेमिक और इससे जुड़े उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। यह नया सेंटर कंपनी के भविष्य की योजनाओं व विकास यात्रा में एक बड़ा कदम है। इसका आकार, आधुनिक डिजाइन और मल्टी-कैटेगरी डिस्प्ले इस क्षेत्र के ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा।

यह खास तौर पर तैयार किया गया सेंटर आधुनिक और क्लासिक डिजाइनों का शानदार मिश्रण प्रस्तुत करता है, जिससे यह न सिर्फ एक शोकेस है, बल्कि घर बनाने वालों, आर्किटेक्ट्स और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के लिए प्रेरणा का एक डिजाइन हब भी बन जाता है।

वेल्थी ने सीरीज बी' राउंड में 130 करोड़ रुपए जुटाए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। म्यूचुअल-फंड डिस्ट्रीब्यूटर और वेल्थ मैनेजमेंट प्रोफेशनल के लिए भारत के लीडिंग वेल्थ-टेक प्लेटफॉर्म वेल्थी.इन ने बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स की लीडरशिप में सीरीज बी' राउंड में 130 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस राउंड में मौजूदा निवेशक अल्फावेव ग्लोबल, नए निवेशक शेफर्ड्स हिल और जाने-माने टेक उद्यमियों के एक ग्रुप ने भी हिस्सा लिया।

आईआईटी-आईआईएम के पूर्व छात्र रहे आदित्य अग्रवाल और प्रशांत गुप्ता का शुरू की गई वेल्थी का प्लेटफॉर्म हर महीने 300 करोड़ से ज्यादा के ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है और 1,000 से ज्यादा शहरों में 1,00,000 से अधिक क्लाइंट्स को सर्विस देने वाले 6,000 से ज्यादा म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स के नेटवर्क के साथ काम करता है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा डिस्ट्रीब्यूटर रिक्रूटर भी बन गया है, जो हर महीने 350 से ज्यादा लोगों को ऑनबोर्ड करता है। प्लेटफॉर्म पर अभी क्लाइंट्स के 5,000 करोड़ रुपए के एसेट्स मैनेज किए जा रहे हैं। वेल्थी के सह-संस्थापक आदित्य अग्रवाल ने कहा, ₹भारत में बुनियादी सलाह की एक कमी है, जिसे अकेले टेक्नोलॉजी हल नहीं कर सकती। एलआईसी 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को सर्विस देती है, फिर भी म्यूचुअल फंड्स में सिर्फ 5 करोड़ निवेशक हैं। यह कमी इसलिए है क्योंकि हमारे पास बहुत कम एडवाइजर हैं, और जो हैं उनके पास स्केल करने के लिए जरूरी उपकरणों की कमी है।₹ ₹एमएफडीज ने भरोसा और रिश्ते बनाने के मामले में बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अगले लेवल पर स्केल करने के लिए, उन्हें टेक्नोलॉजी में निवेश करने की जरूरत थी, जो इकोसिस्टम में नहीं था। हमने एक मोबाइल-फर्स्ट, इंडिया-मेड सॉल्यूशन बनाया है जो खास तौर पर भारतीयों के निवेश करने और भारतीय एडवाइजर्स के काम करने के तरीके के लिए डिजाइन किया गया है। हमारा प्लेटफॉर्म इंसानी सलाह की अहमियत को एआई-पावर्ड टूल्स के साथ जोड़ता है। इससे वेल्थ पार्टनर्स बड़े पैमाने पर इंस्टीट्यूशनल-क्वालिटी सर्विस दे पाते हैं। इस तरह हम सलाह की कमी को पूरा करेंगे और लाखों लोगों तक एडवांस्ड वेल्थ मैनेजमेंट पहुंचाएंगे।

वेल्थी.इन की सीरीज ए को 2022 में अल्फावेव ग्लोबल ने लीड किया था और पिछले तीन वर्षों में कंपनी का एयूएम 200 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,000 करोड़ रुपए हो गया है, जो बिजनेस के तेज रफ्तार से बढ़ने की वजह है। वेल्थी के पूरे भारत में 20 दफ्तर हैं। बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत, जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में इसकी अच्छी मौजूदगी है। इसे 250 से ज्यादा सदस्यों वाली टीम का सपोर्ट है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

खाईं में कार पलटने से तीन की मौके पर हुई मौत, दो घायल

खुशी का माहौल बदला गम में, नहीं हुआ लड़की का हाथ पीला, बिना शादी के बारात गयी वापस

रियाजुल हक

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के मुफ्तीगंज 30फीट नाले में बुद्ध वार की रात साढ़े नौ बजे सफारी कार पलटने से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गयी और दो लोग घायल हो गये थे सूचना पर मुफ्तीगंज चौकी की पुलिस पहुंचकर किसी तरह शीशा तोड़ कर दबे तीनो लोग को बाहर निकाला जिनकी मृत्यु हो चुकी थी और दो लोगों को हल्की चोटें आयी थी।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद वाराणसी के सिगरा थाना के कैन्ट प्लेट से बारात गौराबादशाहपुर थाना के एकौना गांव निहोर सोनकर के घर उनके दोनो नतिनी की सादी के लिए दो जगह से बारात आयी थी जो बारात जाम नगर गुजरात प्रान्त से आयी थी उसका द्वार चार हो गया था कैन्ट से आयी बारात की तैयारी द्वारचार के लिए किया जा रहा था कि जिनको हल्की चोटे आयी थी उन्होने फोन से बराती को सुचना दिया कि मुफ्तीगंज नाले में कार पलटने से तीन लोग की मौत हो गयी है सुचना पर आनन फानन में घराती बराती मौके पर पहुंच कर देखा कि इसमें खुद बारात मालिक ही मरा हुआ है सादी नहीं हुई बारात वापस चली गयी।

लड़की को लगा बहुत बड़ा कलंक

मौसेरी बहन रेनू और बबिता की एक ही साथ थी शादी

गौराबादशाहपुर थाना के एकौना गांव के निहोर सोनकर के घर उनके दो नतिनी कि सादी तय थी जो कि एक नतिनी रेनू का घर जनपद जौनपुर के थाना लाइन बाजार के भरसड़ा गांव की थी दूसरी बबिता का घर थाना मुगलसराय के दूल्हेपुर महाल पुर था बबिता की मौसी की लड़की का बारात जामनगर गुजरात प्रान्त से आया था रिती रिवाज से रेनू का द्वारचार हुआ लेकिन बबिता को कलंक लगना था उसके द्वार चार के समय एक्सीडेंट की खबर आते ही खुशी गम में बदल गयी कौन जानता था कि एक्सीडेंट में खुद उसके जेठ की मौत हो गी जो कि खुद बारात मालिक है जिससे बबिता के भाग्य में उसका हाथ पीला होना नहीं था भाग्य में जो लिखा रहता है उसको कोई टाल नहीं सकता है निहोर सोनकर ने एक नतिनी की खुशी में बाराती का आव भगत किया तो वहीं दूसरी नतिनी की गम को भी झेला जिससे उसकी सादी नहीं हुई बारात वाले वापस चले गये।

मृतक शिक्षक परिवार के एक सदस्य को मिले सरकारी नौकरी एवं एक करोड़ मुआवजा: ललई

मृतक शिक्षक विपिन यादव के परिजनों से मिले पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, दी सांत्वना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मल्हनी गाँव निवासी 32 वर्षीय शिक्षक तथा ड्यूटी पर तैनात बीएलओ विपिन यादव की मौत के पीछे पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव 'ललई' ने प्रशासनिक दबाव और प्रताड़ना को जिम्मेदार बताया है। वह बुधवार की शाम मृतक शिक्षक के परिजनों से मिले और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने राम घाट पर अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरकार से गोंडा के स्थानीय उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी और लेखपाल को तत्काल निलम्बित करने एवं गिरफ्तारी के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की। साथ ही, पीड़ित परिवार की मांग है कि परिवार के एक सदस्य को समकक्ष सरकारी सेवा प्रदान की जाए तथा एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, जिससे परिवार को न्याय और सहायता मिल सके। चुनाव आयोग तथा शासन-प्रशासन से माँग करते हैं कि इस प्रकरण की पूर्ण, निष्पक्ष जाँच कराकर दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लोकतांत्रिक अधिकारों और मताधिकार की रक्षा सर्वोपरि है।

पूर्व मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शिक्षक की मौत प्रशासनिक दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप और कमजोर वर्गों के मताधिकार पर हमले के दौरान हुई। आरोप लगाया कि गोण्डा जनपद में एसआईआर के दौरान अधिकारियों द्वारा उन पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा था। सोशल मीडिया पर शेयर की गई पोस्ट में उन्होंने बताया कि परिवार का कहना है कि उनसे कथित रूप से यह कहा जा रहा था कि पिछड़े वर्ग, दलित समाज और कमजोर तबके के पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं आने चाहिए, उन्हें हटाओ।

इस अमानवीय दबाव, प्रताड़ना और निलम्बन की धमकियों को सहन न कर पाने के कारण नई उम्र का बेटा टूट गया और उसने अपनी जान दे दी। यह अत्यन्त पीड़ादायक और समाज को झकझोर देने वाली घटना है।

घर से बुलाकर दबंगों ने युवक को मारी गोली, हालत नाजुक, तीन हिरासत में

वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में चल रहा इलाज, हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के मुजार गांव के निकट बुधवार आधी रात दबंगों ने एक युवक को घर से बुलाकर गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले मछलीशहर सीएचसी, फिर जिला अस्पताल और बाद में वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

देवरिया गांव निवासी धीरज यादव 23 वर्ष पुत्र समर बहादुर यादव मुंबई में रहकर लिफ्ट बनाने का काम करता है और दस दिन पहले घर आए वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गांव आया था। उसकी पुरानी दोस्ती सिकरारा थाना क्षेत्र के अरुआंवा गांव निवासी राजा पासी से थी। बुधवार रात राजा पासी ने दो साथियों के साथ मिलकर फोन कर धीरज को मुजार गांव के निकट अरुआंवाझदत्तांव मार्ग की पुलिया

पर बुलाया। मौके पर किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ, जिसके बाद राजा पासी ने धीरज के बाईं तरफ सीने में गोली मार दी और तीनों आरोपी फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल धीरज को सीएचसी पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल और फिर वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

धीरज के चाचा टेंट व्यवसायी राजेंद्र यादव ने बताया कि गुरुवार दोपहर ऑपरेशन कर सीने में फंसी गोली निकालने की तैयारी है। ग्रामीणों का कहना है कि घटना आशनाई के विवाद में हुई है। क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि पीड़ित के पिता की तहरीर पर अरुआंवा निवासी राजा पासी, मडियाहूं कोतवाली के नदियांव गांव निवासी शिवा गौतम और रोहित गौतम को हिरासत में लिया गया है। उनकी निशानदेही पर अवैध असलहा भी बरामद कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विषाक्त पदार्थ खाने वाले युवक की जिला चिकित्सालय में इलाज के दौरान मौत

पुलिस ने शव कब्जे में लिया, रेलवे स्टेशन पर वेंडर का कार्य करता था युवक

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत कोरवलिया गांव में परिजनों की डांट से छुब्ध युवक ने बुधवार को घर में रखा विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। क्षेत्र के भादी ग्राम सभा के कोरवलिया गांव निवासी 20 वर्षीय सौरभ गौड़ पुत्र राजेश गौड़ बुधवार की दोपहर मामूली कहासुनी के दौरान परिजनों कि डांट से छुब्ध होकर घर में रखा विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसके चलते युवक की हालत गंभीर देख परिजनों ने आनन-फानन में इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त युवक की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं देर रात युवक का इलाज के दौरान मौत हो गया। मृतक रेलवे स्टेशन पर वेंडर का कार्य करता रहा। पुलिस ने शव कब्जे में ले पोस्ट मार्टम हेतु भेज दिया है। मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

सेनानी चन्द्रबली की सोच से प्रेरणा लेनी चाहिये: एसपी तिवारी

10वीं पुण्यतिथि पर याद किये गये बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय के संस्थापक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चन्द्रबली तिवारी के आदर्श, विचार, लक्ष्य के अलावा शिक्षा के प्रति सोच आज भी प्रासंगिक है। उन्हें याद करते हुये उनसे प्रेरणा लेनी की आवश्यकता है। आज का यह दिन उनके द्वारा स्थापित किये गये संस्थान की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का मौका है। उक्त बातें बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिविल लाइन के संस्थापक चन्द्रबली तिवारी लोकतंत्र रक्षक सेनानी की 10वीं पुण्यतिथि पर प्रबन्धक एसपी तिवारी ने कही। इसके पहले प्रबन्धक सहित विद्यालय परिवार ने स्व. तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये स्व. तिवारी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये गये योगदान पर चर्चा किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्वेता पाण्डेय, उप प्रधानाध्यापक विनय पाठक, सहायक अध्यापक रमेश कुमार, लिपिक सत्येन्द्र त्रिपाठी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सभी ब्लाक अध्यक्ष अपने कार्यों को करें जिम्मेदारी से पूरा: डा.सन्तोष कुमार गिरी

जिला उपाध्यक्ष डा.सन्तोष कुमार गिरी नें ली समस्त बूथ अध्यक्षों की बैठक

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा स्थित सिहौली चौराहा केराकत जौनपुर मार्ग पर स्थित ब्लाक कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर बृहस्पतिवार को सुबह लगभग ग्यारह बजे कार्यालय पर बुथ अध्यक्षों की गठन के सन्दर्भ में एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित रहे सभी कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं पदाधिकारियों को जानकारी देते हुए कांग्रेस कमेटी जौनपुर के जिला उपाध्यक्ष एवं केराकत जफराबाद के प्रभारी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डाक्टर संतोष कुमार गिरी नें कहा कि एस आई आर के सम्बन्ध में एक अहम जानकारी देते हुए कहा कि आप सभी लोग मिलकर एक दूसरे का सहयोग करें और मिलकर पूरे निष्ठा ईमानदारी से अपनें अपनें मिले कार्यों को पूरा करें। श्री गिरी नें आगे कहा कि सभी बूथों के अध्यक्ष अपने कार्यों में तेजी लायें और अपनी मेहनत को और तेज करें और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें आप लोग ही पार्टी के वफादार दमदार सिपाही हैं अपनी-अपनी दमदारी को दिखाते हुये पूरे लगन से कार्य करें। बैठक में शहरे जौनपुर से चलकर के आये हुवे जिला उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डाक्टर संतोष कुमार गिरी के साथ कोआर्डिनेटर नीलेश सिंह, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष लालता चौधरी, डोभी के ब्लाक अध्यक्ष सुभाष सिंह, केराकत ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र प्रताप, आशिष यादव, सुजीत पाल, मुन्ना अली, सहित अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधायक रमेश सिंह ने गुरुवार को सुविधाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आगामी 4 एवं 5 दिसंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले ह्यशाहगंज महोत्सवह्ल की संपूर्ण तैयारियों का जायजा लिया। विधायक ने महोत्सव के सफल एवं सुचारु आयोजन के लिए मंच व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा सभी आवश्यक निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारी एसडीएम कुणाल गौरव, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, कोतवाल केके सिंह सहित संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल की संपूर्ण व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। विधायक ने बताया कि महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए प्रयास जारी है। विधायक ने बताया कि महोत्सव में शामिल होने के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जसवीर सिंह एवं कैबिनेट मंत्री आसिम अरुण को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं उनके स्तर से कार्यक्रम की तैयारी की प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। सरकार गरीबों, पिछड़े और दलितों सहित संपूर्ण समाज के तबके के लोगों के चौमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस महोत्सव के माध्यम से सरकार की जन्म कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच एवं उनके प्रति जागरूकता सुनिश्चित की जाएगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में दो गिरफ्तार

क्षेत्र के एत्मादपुर गाँव में कुएं में मिली थी महिला का शव

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एत्मादपुर गाँव मे कुएँ से बरामद महिला के शव प्रकरण में पुलिस ने हत्या के दुष्प्रेरण के तहत वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। विदित हो कि 25 नवम्बर को खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम एत्मादपुर स्थित एक कुएँ में एक महिला का शव बरामद हुआ था। मृतका के पुत्र अंशू यादव की तहरीर पर पुलिस ने

मुकदमा संख्या 240/25, धारा 108 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। विवेचना के दौरान पुलिस को मामले में दुष्प्रेरण की पुष्टि हुई, जिसके बाद नामजद और वांछित आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गुरुवार को इस घटना में नामजद दो अभियुक्तों चन्द्रशेखर उर्फ भोला यादव, पुत्र धामू प्रसाद यादव, निवासी सोंधी नगर पंचायत खेतासराय व इन्द्रकला पासवान पत्नी धनन्जय पासवान निवासी एत्मादपुर थाना खेतासराय को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ उक्त मुकदमे में ही आपराधिक इतिहास दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए संबंधित न्यायालय भेज दिया। पुलिस टीम के अनुसार, मृतका के पति सतीश यादव पुत्र विद्यालाल यादव निवासी एत्मादपुर इस मामले में अब भी वांछित चल रहा है। उसकी तलाश में पुलिस की दबिश जारी है और जल्द गिरफ्तारी के दावे किए जा रहे हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक, उपनिरीक्षक अशोक कुमार वर्मा समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

संविधान दिवस पर संवैधानिक मूल्यों पर संवादशाला का हुआ आयोजन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान दिवस के अवसर पर छितौना गांव में सौहार्द बंधुत्व मंच द्वारा एक विशेष संवाद-शाला एवं समाजशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों से परिचित कराना और इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस आयोजन की संयोजक नीरा आर्य और निवेदक पूनम देवी रहीं। दोनों ने संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों–समता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुत्व, एकता और अखंडता–पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये मूल्य केवल संवैधानिक शब्द नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, समान अवसर और सभी नागरिकों के सम्मान से जुड़े मूलभूत सिद्धांत हैं, जिन्हें समाज के हर व्यक्ति को आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया, डॉ. भीमराव आंबेडकर और अन्य निमार्ताओं के योगदान, तथा भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में नागरिकों की भूमिका पर भी चर्चा की। संवाद-शाला में यह संदेश दिया गया कि संविधान का पालन केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। स्थानीय लोगों ने संविधान दिवस पर आयोजित इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी अभी भी सीमित है।

कार्यक्रम में साधना यादव, अर्जुन गौतम, रेखा, मंजू, लकी, रागिनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और सक्रिय रूप से संवाद में हिस्सा लिया। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

जिले में पार्टी को मजबूती प्रदान करने का करेंगे काम: अजीत प्रजापति

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने देवी धाम बसौली में किया दर्शन एवं पूजन-अर्चन

सुइथाकला जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा जौनपुर का अध्यक्ष बनाए जाने पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने गुरुवार की सुबह देवी धाम बसौली में दर्शन एवं पूजन- अर्चन किया। काफी जद्दोजहद के बाद भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने पार्टी के प्रति जमीनी स्तर पर समर्पण, निष्ठा को देखते हुए अजीत प्रजापति को जौनपुर का नया जिलाध्यक्ष घोषित किया है। अजीत प्रजापति जनपद के सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के अढ़नपुर गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र की जनता के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी की मंशा पर खरा उतरना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वह जिले में पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम करेंगे। पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने में वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उनके ऊपर विश्वास किया है और जो जिम्मेदारी दी है वह उस पर सदैव खरा उतरते हुए ईमानदारी पूर्वक पद का निर्वहन करेंगे। वह पार्टी के हित के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। वह हमेशा से ही जनसंघ एवं पार्टी के प्रति समर्पित रहे। वह भाजपा के जिला मंत्री, जिला उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के सदस्य तथा सांसद डॉ. केपी सिंह के प्रतिनिधि भी रहे।

एग्रो पार्क के अलावा अन्य गांवो को मिलेगा लाभ: डॉ.अवधेश सिंह

3 करोड़ 20 लाख की लागत से करखियाव में बनेगा नया उपकेंद्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पिंडरा विधायक डॉ.अवधेश सिंह ने

कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए करखियाव में लगने वाले नया विद्युत उपकेंद्र नया मिल का पत्थर साबित होगा।

उक्त बातें करखियाव में 3 करोड़ 20 लाख की लागत से बनने वाले 33/11 केवी के नया उपकेंद्र की भूमि पूजन बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहाकि इससे इंडस्ट्रियल एरिया के साथ आसपास के लोगो को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहाकि उक्त उपकेंद्र 6 माह में बनकर पूर्ण होगा। इस दौरान उन्होंने विद्युत उपकेंद्र परिसर में पौधरोपण भी किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह व धन्यवाद ज्ञापन एग्रो पार्क एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया ने किया।

इसके पूर्व अधीक्षण अभियंता रामअवतार, एक्सईन हेमन्त सिंह, उद्यमी संजीव अग्रवाल, संतोष जायसवाल, रवि गुप्ता, मनीष लाठ, आनंद जायसवाल, शुभम अग्रवाल, भरत केजरीवाल, शुभम गुप्ता व आदर्श अग्रवाल, पूर्व ग्राम प्रधान विक्रमादित्य सिंह, जिला महामंत्री डॉ. जेपी दुबे, जिला मंत्री फौजदार शर्मा , मण्डल अध्यक्ष बसन्त उपाध्याय, अभिषेक राजपूत व भाजपा कार्यकर्ता समेत ग्रामीण रहे।

मां की अखंड सत्ता सृष्टि के कण-कण में विराजमान: विजय सिंह

समाजसेवी विजय सिंह ने देवी धाम में टेका मत्था, लिया आशीर्वाद

सुइथाकला जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्कृष्ट समाजसेवी एवं उद्योगपति विजय सिंह 'नन्हे' ने बुधवार की शाम मां शीतला के प्राचीन एवं ऐतिहासिक शक्तिपीठ देवी धाम बसौली में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। मुख्य पुजारी रमेश तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं दर्शन कराया गया। समाजसेवी ने बताया कि मां का दर्शन करके एक अद्भुत एवं असीम आध्यात्मिक शक्ति की अनुभूति करके अभिभूत हूं। आदि शक्ति माँ ही सृष्टि का संचालन करती हैं। मां की अखंड सत्ता सृष्टि के कण-कण में विराजमान है। उन्होंने कहा कि मां के चरणों की महिमा अपार है। मां का सानिध्य उनके आशीर्वाद की छत्रछाया और ममता के आंचल के छांव को प्राप्त करके अपने आप को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मुख्य पुजारी ने बताया कि क्षेत्र वासियों एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से मंदिर को भव्य, आकर्षक एवं सुंदर रूप दिया जा रहा है। मंदिर के निर्माण में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मंदिर को मूर्त रूप देने का सतत प्रयास जारी है। मां की कृपा से ही कोई भी मनुष्य उनकी सेवा का अवसर प्राप्त कर सकता है।

पिकअप के धक्के से बाइक सवार घायल की उपचार के दौरान मौत, परिजनों में मचा कोहराम

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार की दोपहर हुए सड़क हादसे में कोतवाली क्षेत्र के ग्राम इमामपुर सबरहद निवासी 32 वर्षीय उमर पुत्र खुर्शीद की पिकप के धक्के से गम्भीर रूप से घायल हो गया था। जिसका गुरुवार की सुबह उपचार के दौरान मौत हो गयी। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बताते चले बुधवार की दोपहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सबरहद मानपुर निवासी 32 वर्षीय मोहम्मद उमर पुत्र खुर्शीद अपने बाइक से शाहगंज किसी काम से आया था।अभी वह नगर के इराकियाना चौराहा ही पार किया था।की पीछे से आरही तेज रफ़्तार पिकप ने अपने चपेट में ले लिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।आनन फानन में स्थानीय लोगों ने वहीं नजदीक के एक निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।मौके पर पहुंचे परिजन और पुलिस ने घायल को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जहां उक्त युवक अपनी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा था। युवक की मौत के कोतवाली पुलिस आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतू पीएम हाउस भेजने की तैयारी कर रही थी।

आध्यात्मिक चेतना का वह महाकुंभ, जिसने मनुष्यता को नए संकल्प दिए

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उमरहाँ स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम में विहंगम योग संत समाज का 102वां वार्षिकोत्सव उस आध्यात्मिक महोत्सव की तरह सम्पन्न हुआ, जिसकी आभा और आस्था दोनों दूर-दूर तक फैल गईं। 25 हजार कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के समापन अवसर पर पूरा परिसर सुगंधित आहुतियों, मंत्रोच्चार और श्रद्धा की पवित्र तरंगों से ऐसा आलोकित हुआ कि मानो धरा पर देवत्व उतर आया हो। देश-विदेश से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने अपनी-अपनी कामनाओं और कल्याण की भावना से यज्ञ अग्नि में आहुति समर्पित की। दो दिनों तक सेवा, सत्संग और साधना की त्रिवेणी में डूबकर श्रद्धालुओं ने आत्मिक शांति और प्रेरणा प्राप्त की। उत्तर प्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, बंगाल, हरियाणा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, उत्तराखंड सहित कई राज्यों और विदेशों से श्रद्धालु पहुंचे। अनुमानतः डेढ़ लाख से अधिक अनुयायियों ने स्वर्वेद महामंदिर के दर्शन किए। स्वर्वेद के अमृत-ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही और हर साधक अपने भीतर एक नई ऊर्जा, नया संकल्प और नया प्रकाश लेकर वापस लौटा। स्वर्वेद महामंदिर धाम का यह महा आयोजन केवल अध्यात्म का उत्सव नहीं रहा। यह आस्था की विजय, मानवता की एकता और आत्मोन्नति की सामूहिक यात्रा का तेजस्वी प्रतीक बन गया। महायज्ञ के समापन पर सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज ने कहा कि मानव-जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य आत्मोद्धार है, और इसका श्रेष्ठ मार्ग भक्ति है, लेकिन वह भक्ति जो चेतन हो, जागृत हो। उन्होंने कहा, आज की भक्ति में अज्ञान और आडंबर अधिक है। जड़ भक्ति से ऊपर उठकर चेतन भक्ति को अपनाने की आवश्यकता है। विहंगम योग वही विशुद्ध मार्ग है, जिसमें साधक विकारों से मुक्त होकर अपने शुद्ध, दिव्य स्वरूप को प्राप्त करता है। समापन सत्संग में संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज ने कहा, मनुष्य के भीतर अच्छाइयां और बुराइयां दोनों हैं, लेकिन अज्ञान उसे दुख की ओर धकेलता है। कठिनाइयों से घबराने की नहीं, उनसे उबरने की प्रेरणा अध्यात्म देता है। स्वर्वेद का स्वर साधक को वह सामर्थ्य देता है जिससे वह अपने भीतर स्थित परमात्मा के प्रकाश को पहचान सके। उनकी प्रेरणादायी वाणी साधकों के लिए आस्था ही नहीं, जीवन-संस्कार का संदेश भी बन गई। देश-विदेश से आए लाखों अनुयायियों ने एक साथ अपने हाथ उठाकर सेवा, सत्संग और साधना का संकल्प लिया। इस क्षण ने पूरे प्रांगण को एकता, समर्पण और आध्यात्मिक संकल्प की अद्भुत ऊर्जा से भर दिया।

रैवलकेयर लिमिटेड 1 दिसंबर को लॉन्च करेगा अपना आयपीओ

मुंबई। रैवलकेयर लिमिटेड, जो ब्यूटी और पर्सनल केयर सेगमेंट में एक बूटस्ट्रैप्ड डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड है, ने घोषणा की है कि कंपनी का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 1 दिसंबर 2025 को खुलकर 3 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस इश्यू की प्रस्तावित लिस्टिंग इएट एसएमई पर होगी। कुल 18,54,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसकी कुल राशि (उच्च मूल्य/ल्ली पर) लगभग ?24.10 करोड़ होगी। प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू ?10 है, जबकि प्राइस बैंड ?123 से 130 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। इश्यू की न्यूनतम लॉट साइज 1000 शेयर है।

रैवलकेयर की स्थापना 29 नवंबर 2018 के रूप में की गई थी, जिसे बाद में 14 जून 2024 को एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित किया गया। कंपनी ने खुद को एक डिजिटल-ड्रिवन पर्सनल केयर ब्रांड के रूप में स्थापित किया है, जो हेयरकेयर, स्किनकेयर, बॉडीकेयर और स्कैल्प-केयर कैटेगरी में उत्पाद प्रदान करता है। महाराष्ट्र स्थित मुख्यालय से संचालित रैवलकेयर का वितरण मॉडल पूरी तरह उठउ है, जिसे ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का समर्थन प्राप्त है। कंपनी भारत के साथ-साथ यूएई, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है।

मिर्जामुराद में 14 वर्षीय किशोरी का अपहरण, परिजनों की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मिर्जामुराद थाना क्षेत्र में 14 वर्ष की एक किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है। किशोरी के परिजनों ने बुधवार की देर शाम थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी को क्षेत्र के ही कल्लीपुर निवासी विशाल नामक युवक ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है। परिजनों ने बताया कि किशोरी बीते 20 नवंबर की रात अचानक घर से लापता हो गई थी। परिजन लगातार एक सप्ताह से उसकी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। किशोरी के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्हें आशंका है कि आरोपी विशाल उनकी नाबालिग पुत्री को बहका कर कहीं ले गया है और उसके साथ कोई गलत हरकत अथवा अप्रिय घटना कर सकता है। इस आशंका के आधार पर परिजनों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के आधार पर मिर्जामुराद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। किशोरी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है, जो संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है और मोबाइल सर्विलांस सहित अन्य तकनीकी सहायता का भी उपयोग कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच तीव्र गति से की जा रही है और जल्द ही किशोरी को सुरक्षित बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना से ग्रामीणों में भी चिंता व्याप्त है और लोग प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

चार दिसंबर तक गणना कार्य में लगे कर्मचारियों का अवकाश निरस्त

आजमगढ़। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल विश्वकर्मा ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चार नवंबर से चार दिसंबर तक निर्वाचक नामावली में शामिल कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। लगभग तीन सप्ताह पूर्ण होने को है और जिले में अभी तक 42 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुआ है। इस कार्य को समय से पूर्ण कराने के लिए मतदाताओं से गणना प्रपत्र संकलित करने और बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइजेशन किए जाने संबंधी कार्य में तैनात किए गए सभी कर्मचारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, डिजिटाइजेशन कार्य में लगे इंजीनियर, बीएलओ, सुपरवाइजर, एडीओ पंचायत, रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, सफाईकर्मी आदि चार दिसंबर तक किसी भी प्रकार की अवकाश में नही रहेंगे। अपरिहार्य परिस्थितियों में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त करने के बाद ही अवकाश पर जाएंगे।

ट्यूबवेल का ताला तोड़कर मोटर चुरा ले गए चोर

निजामाबाद। थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव में बीती रात चोरों ने किसान के ट्यूबवेल का ताला तोड़कर पांच हार्स पॉवर का मोटर चुरा ले गए। पीड़ित ने तहरीर देकर पुलिस से बरामदगी की मांग की है। विशुनपुर गांव निवासी किसान राजेंद्र पांडेय के खेत में लगे ट्यूबवेल का मोटर दरवाजा तोड़कर उठा ले गए। पीड़ित किसान को इसकी जानकारी बुधवार की सुबह तब हुई, जब वह खेल की तरफ गया। उसने इसकी सूचना 112 नंबर पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोटो खींचकर तफ्तीश में जुट गई। पिछले साल लगभग नवंबर महीने में इसी ट्यूबवेल से ही मोटर चोरी हुआ था। थाना प्रभारी निजामाबाद हिरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सरकारी निदेर्शानुसार मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय द्वारा दिनांक 26 नवंबर 2025 को स्कूली विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं कबड्डी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान, भायंदर में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जबकि प्रधानमंत्री श्री मीरा-भायंदर, नगर निगम स्कूल क्रमांक 22 में निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मीरा-भायंदर क्षेत्र के 10 स्कूलों के कुल 105 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता सुश्री रितिका कुपेंद्र राठौड़ (प्रथम), सुश्री तन्वी संतोष खैरे (द्वितीय), सुश्री मृण्मयी संतोष खैरे (तृतीय) चित्रकला स्पर्धा कु. झीनत फैजान खान (प्रथम), कु. कहकशाँ अयाज खान (द्वितीय) कु. रोहित लक्ष्मण चव्हाण (तृतीय) वाद-विवाद प्रतियोगिता कु. वीरेन विलास गुगले (प्रथम) तजमीन अब्दुल्लानबी शेख (दूसरे) और आरव हिमांशु शाह (तीसरे) कबड्डी प्रतियोगिता में मीरा-भायंदर म्युनिसिपल स्कूल नंबर 18 की टीम विजेता, और मीरा-भायंदर म्युनिसिपल स्कूल नंबर 22 और 24 (संयुक्त) की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर, श्रीमती ममता डिसूजा, सहायक पुलिस आयुक्त, भायंदर ने उपस्थित छात्रों का मार्गदर्शन किया। प्रतियोगिता बहुत ही उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती ममता डिसूजा, सहायक पुलिस आयुक्त, भाईंदर, वपोनी जितेंद्र कांबले, भाईंदर पुलिस स्टेशन, पुलिस निरीक्षक महेंद्र शेलार, सपोनी अमित अव्हाले और पुलिस उप-निरीक्षक शाहबाज शेख द्वारा निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, एम.बी.वी.वी., दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अशोक विरकर, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) के मार्गदर्शन में किया गया था। साथ ही, प्रतियोगिता के आयोजन के लिए श्रीमती दीपाली जोशी, सहायक आयुक्त (शिक्षा) और श्रीमती अवंती भोईर, समन्वयक शिक्षा विभाग, मीरा-भायंदर, नगर निगम का सहयोग प्राप्त हुआ।

एमेजॉन एमएक्स प्लेयर की 'औकात के बाहर' में मोहब्बत, चाहत और कैंपस की राजनीति की भिड़ंत

मुंबई। एमेजॉन की फ्री वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विस, एमेजॉन एमएक्स प्लेयर ने अपने आने वाले कैंपस ड्रामा, 'औकात के बाहर' का ऐलान कर दिया है - जो कि एक दिल को छू लेने वाली कहानी है जो कैंपस की जिंदगी की भाग-दौड़ भरी और बेबाक दुनिया की गहराईयों तक लेकर जाती है। दिल्ली की जिंदादिली पर आधारित यह शो हँसी-मजाक, दिल के टूटने, कैंपस की दुश्मनियों और आज के जमाने के रोमांस का मिला-जुला रूप दिखाता है, और यह सब कॉलेज की जिंदगी की जोश से भरी एनर्जी में सराबोर है। एल्विश यादव के मुख्य अदाकार के तौर पर पहली बार पेश करने वाली, 'औकात के बाहर' में मल्हार राठौड़, हेतल गाडा, निखिल विजय और केशव साधना जैसे शानदार कलाकार भी हैं।

ट्रेलर का आगाज होता है राजवीर अहलावत से होती है, जिसका किरदार एल्विश यादव ने निभाया है, जो हरियाणा की सफीदों नाम की जगह का एक जमीन से जुड़ा लेकिन गुस्सैल लड़का है, जो कि दिल्ली के एक नामी कॉलेज की दुनिया में खासियत से ज्यादा सपने लेकर कदम रखता है। फ्रेशर पार्टी में उसका मजाक उड़ाए जाने के बाद, वह अपनी सीनियर अंतरा शुक्ला को पटाने के लिए बिना सोचे-समझे एक शर्त लगा लेता है। अंतरा शुक्ला का किरदार मल्हार राठौड़ ने अदा किया है – जो कि एक आत्मविश्वास से भरी, राजनीति में दिलचस्पी रखने वाली स्टूडेंट है जो अपनी भावनाओं को काबू में रखने के लिए जानी जाती है। जो बात एक हड़बड़ी में ली गई चुनौती के तौर पर शुरू होता है, वह जल्द ही कुछ और गहरा हो जाता है, क्योंकि राजवीर खुद को ईगो और इमोशन के बीच फँसा हुआ पाता है, और अंतरा अपनी चाहतों और प्यार के बीच। जैसे-जैसे कॉलेज की राजनीति के और भावनात्मक नोंक-झोंक सबका ध्यान अपनी और खींचते हैं, 'औकात के बाहर' व्यक्तित्व और इरादे, गुरूर और कमजोरी के बीच हमेशा रहने वाले तनाव को दिखाती है। इस सीरीज के बारे में बात करते हुए, एमेजॉन एमएक्स प्लेयर के डायरेक्टर और हेड ऑफ कंटेंट, अमोघ दुसाद ने कहा, एमेजॉन एमएक्स प्लेयर में, हमारा मकसद ऐसी कहानियाँ पेश करना है जो असली भावनाओं और तजुर्बों को दिखाती हों, जो मोहब्बत, हँसी-मजाक और अपनेपन से भरी हों।इस सीरीज में राजवीर का किरदार निभाने के बारे में बताते हुए, एल्विश यादव ने कहा, 'औकात के बहार' मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि यह सिर्फ.एक लव स्टोरी से बढ़कर कुछ और है।

बीजेपी ने घोषित किया नया जिला अध्यक्ष, अजीत प्रजापति को मिली कमान

जौनपुर। जिले की राजनीति में बुधवार की देर रात बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब भारतीय जनता पार्टी ने लंबे समय से लंबित पड़े संगठनात्मक निर्णय को अंतिम रूप देते हुए अजीत प्रजापति को जौनपुर का नया जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया। यह घोषणा प्रदेश नेतृत्व द्वारा देर रात जारी की गई सूची में की गई, जिसके सामने आते ही जिले भर के भाजपाइयों में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई।

पार्टी सूत्रों के अनुसार पिछले कई माह से नए जिला अध्यक्ष के नाम को लेकर मंथन जारी था। संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों की राय और विभिन्न विंग्स के सुझावों पर विचार करने के बाद आखिरकार अजीत प्रजापति के नाम पर सहमति बनी। माना जा रहा है कि संगठन में उनकी सक्रियता, बूथ स्तर तक पकड़ और समाज के विभिन्न वर्गों में उनकी स्वीकार्यता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

घोषणा के बाद पार्टी कार्यकताओं ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ ला दी। कई मंडलों और शक्ति केंद्रों के पदाधिकारियों ने इसे संगठन को मजबूत करने वाला निर्णय बताया। जिले भर में विभिन्न जगहों पर कार्यकताओं द्वारा मिठाइयाँ बांटी गईं और नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के आवास पर भी बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, बूथ सशक्तिकरण तथा लोकसभा- विधानसभा चुनावों की तैयारी को प्राथमिकता देंगे।

बीजेपी के इस निर्णय से जिले में नई ऊर्जा का संचार माना जा रहा है। वहीं राजनीतिक गलियारों में भी इस नियुक्ति को आगामी चुनावी रणनीति के महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

खेतों में पराली जलाने से किसानों को रोके

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में वृहस्पतिवार को पराली प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ बिंदु कुमार ने की, जबकि संचालन कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने किया। बैठक में महाराजगंज प्रखंड के सभी पंचायत के कृषि कर्मियों को किसानों के साथ बैठक कर खेत में पराली नहीं जलाने का सुझाव दिया । बीडीओ श्री कुमार ने बैठक में पराली जलाने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सभी कृषि सलाहकार को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में किसानों को पराली जलाने से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पराली जलाना केवल पर्यावरण के लिए ही हानिकारक नहीं है, बल्कि इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी तेजी से नष्ट होती है।

क्लूक के मुताबिक इस साल के अंत तक कूल केशन बढ़ेंगे

मुंबई/ गुरुग्राम। छुट्टियों का उत्साह शिखर पर है। इस साल भारतीय यात्री साल के अंत में मिलने वाली छुट्टियों को यादगार बनाना चाहते हैं। एशिया पैसिफिक के अग्रणी संपूर्ण क्षेत्रीय अनुभव प्लेटफॉर्म, क्लूक के मुताबिक इस साल यात्री कूल केशन पर जाना चाहते हैं। यानी वो साल का अंत ठंडे मौसम और सामाजिक रूप से जीवंत अनुभवों के साथ करना चाहते हैं।

इस ट्रेंड से नए युग के भारतीय यात्रियों के बीच ऐसी जगहों पर जाने की बढ़ती रुचि प्रदर्शित होती है, जो उन्हें पारंपरिक छुट्टियों से अलग अनुभव प्रदान करें। वो सर्दियों में बर्फ के नजारे देखना चाहते हैं, एडवेंचर की गतिविधियाँ करना चाहते हैं और ऐसे ठंडी जगहों पर रुकना चाहते हैं, जहाँ पर जश्न का अद्वितीय अनुभव मिलता हो। वो चाहते हैं कि उनका यह सफर उन्हें आराम, परिवार के साथ बेहतरीन समय और यादगार अनुभव प्रदान करे।

क्लूक इंडिया और मिडिल ईस्ट के हेड ऑफ मार्केटिंग, शिवम त्यागी ने कहा, यात्रियों का रूझान बदल रहा है। नए युग के भारतीय सैलानी केवल एक ब्रेक नहीं चाहते हैं, बल्कि वो एक अनुभव चाहते हैं। वो बर्फीले स्थानों पर जाना चाहते हैं, ताकि वो ठंडे मौसम में परिवार के साथ समय बिताते हुए जश्न का आनंद ले सकें। वो नए साल की शुरूआत दिल खुश कर देने वाले अनुभव के साथ करना चाहते हैं।

स्विट्जरलैंड की पहाड़ियों में स्कीईंग से लेकर जापान के फिसलने ढलानों और दुबई में स्थानीय सांस्कृतिक अनुभवों तक सैलानी साल का अंत भव्य उत्सवों और नए साल के विश्वस्तरीय जश्न के साथ करने के लिए उत्सुक हैं। वो साल का अंत धुंध में ढके चावल के खेतों और ताजगीभरे और बदलते नजारों के साथ करना चाहते हैं। भारतीय क्रिसमस और नए साल की योजनाओं के साथ एक स्पष्ट संदेश दे रहे हैं, 2025 में नए साल की शुरूआत ज्यादा से ज्यादा ठंड के साथ करनी है।

मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा से घरों में ही मवेशियों का हो रहा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में मवेशियों में फैल रहे खुरपा रोग और चिकित्सा सुविधा की कमी को लेकर उठी आवाजों के बाद पशुपालकों को राहत देते हुए प्रशासन ने पशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत कर दिया है। अब मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से मवेशियों का इलाज सीधे पशुपालकों के दरवाजे पर उपलब्ध कराया जाएगा। एसडीएम अनीता सिन्हा की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार पशुपालक सिर्फ मोबाइल चिकित्सा डॉक्टर के मोबाइल पर कॉल करके घर बैठे इलाज, परामर्श और आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ता सह सीवान जिला पूर्वी के भाजपा प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह ने पशुपालन पदाधिकारी को आवेदन देकर खुरपा रोग से मवेशियों की सुरक्षा तथा उपचार के अभाव पर गंभीर चिंता जताई थी।

उन्होंने कहा था कि पशुपालकों को मवेशियों के लिए आवश्यक चिकित्सा नहीं मिल पा रही, जिसके कारण मवेशियों की सेहत लगातार प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बीमार और दुर्घटनाग्रस्त मवेशियों के इलाज मैं देरी होने से नुकसान की स्थिति भी बन रही है। प्रशासन ने इस शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ रूप से संचालित करने का निर्णय लिया है। 1962 कॉल सेंटर को पशुपालकों के लिए एक ही नंबर' के रूप में संचालित किया जा रहा है ताकि किसी भी समस्या में पशुपालकों को दफ्तरों और अस्पतालों के चक्कर न लगाने पड़ें। सेवा का उद्देश्य मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाना और रोगों के प्रसार को रोकना है। प्रशासन का दावा है कि क्षेत्र में अब पशु स्वास्थ्य सेवाएं पहले से अधिक सक्रिय और सतर्क हैं, और किसी भी आपात स्थिति में विलंब नहीं होने दिया जाएगा। पशुपालकों से अपील की गई है कि खुरपा रोग सहित किसी भी स्वास्थ्य समस्या या दुर्घटना की स्थिति में तुरंत मोबाइल वहां के डॉक्टर से संपर्क करें और उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाएं।

ब्लाक भावरकोल पर संवैधानिक मूल्यों की दिलाई गई शपथ

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद गाजीपुर स्थित ब्लाक भांवरकोल पर संविधान दिवस के दिन ब्लाक भावरकोल के प्रांगण में ब्लाक सचिव सूर्यभान कुमार राय ने संविधान की शपथ दिलाते समय कहा कि इतने बड़े देश का लोकतंत्र मजबूत है तो यह बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की देन है। संविधान हमारे लोकतंत्र की रीढ़ है, जो नागरिकों को अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के आर्दशों को आत्मसात कर भारत को प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में दें। संविधान के कारण ही देश में महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त है और आज एक महिला देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। पत्रकार अजय कुमार पाल ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में संविधान ने नागरिक चेतना को दिशा दी है और संविधान दिवस हमें यह सोचने का अवसर प्रदान करता है कि हम किस प्रकार अपने अधिकारों का संरक्षण और दूसरों के अधिकारों का सम्मान कर सकते हैं । उस शुभ अवसर पर समाजसेवी भावी प्रधान अजय कुमार पाल, विजय शंकर पाल , वसीम अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इंस्टाग्राम पर अजय बनकर झांसे में ब्याह रचाने वाले नसीम को पुलिस ने दबोचा

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। थाना मिर्जामुराद पुलिस ने गुरुवार को वह कर दिखाया, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। पहचान छिपाकर लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और धर्म परिवर्तन की साजिश रचने वाले गिरोहों पर योगी सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति का असर अब जमीन पर खुलकर दिखने लगा है। इसी कड़ी में पुलिस ने इंस्टाग्राम पर अजय बनकर हिंदू युवती को फंसाने वाले नसीम को धर दबोचाकृवही नसीम, जो अपनी असलियत छिपाकर विवाह कर चुका था और लड़की को अपने धर्म में लाना चाहता था। पहले के दौर में ऐसी शिकायतें दबा दी जाती थीं, कार्रवाई नाम की चीज नहीं होती थी, और इस तरह के लोग बेखौफ घूमते थे। पर अब मामला योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था वाली यूपी का है, जहां अपराधी चाहे कितना भी चालाक क्यों न हो, अंत में गिरफ्तारी उसके दरवाजे पर ही दस्तक देती है। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद नसीम ने जो स्वीकार किया, वह चौंकाने वाला है। पेशे से ट्रक चालक नसीम ने कहा कि वह इंस्टाग्राम पर फर्जी नाम अजय का इस्तेमाल करता था। असलियत छिपाकर वह खुद को हिंदू युवक के रूप में पेश करता, ताकि लड़की को भरोसा हो सके। बातचीत बढ़ी, दोस्ती गहरी हुई और अंत में धोखे से विवाह भी कर लिया। नसीम ने साफ कबूला, वास्तविक नाम बताता तो लड़की विश्वास नहीं करती, इसलिए फर्जी पहचान बनाई... शादी के बाद उसे अपने धर्म में लाना चाहता था। क्या

यह सीधा-सीधा छल नहीं? क्या यह भोली-बालाओं के विश्वास का क्रूरतम शोषण नहीं?

नसीम गुरुवार को पीड़िता से मिलने आया था। पुलिस पहले से तैयार थी। मुखबिर की सूचना काम आई और उसे रखौना के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से मोबाइल फोन भी बरामद हुआ, जिसके जरिये वह यह पूरा खेल खेल रहा था। अब पुलिस मोबाइल की तकनीकी जांच कर रही है कि कहीं और कितनी लड़कियों को उसने इसी तरीके से संपर्क करने की कोशिश की। इस मामले में केस दर्ज किया गया है धारा 87/64(2)/82(2)/115(2)/138 बीएनएस तथा उप्र विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध (संशोधित अधिनियम 2024) की धारा 3/5(1) के तहत। ये धाराएं अपने आप में बताती हैं कि सरकार इस अपराध को कितना गंभीर मानती है। योगी शासन में जो अपराध पहले सामाजिक दबाव या सांप्रदायिकता का डर बताकर दबा दिये जाते थे, अब उन पर बिना झिझक कड़ी कार्रवाई हो रही है। यह संदेश सख्त है, यूपी में फर्जी पहचान बनाकर किसी लड़की की जिंदगी से खिलवाड़ करने की कोशिश की, तो जेल ही अंतिम ठिकाना होगा। यह गिरफ्तारी केवल एक केस का निवारण नहीं, बल्कि एक संदेश है, यूपी की बेटियों के साथ छल, धोखा और धार्मिक जाल बिछाने वाले अब बच नहीं पाएंगे। पहचान छिपाकर फर्जी नाम से रिश्ता बनाना, विश्वास तोड़कर धर्म परिवर्तन की मंशा रखना, यह अपराध अब जितना बड़ा, कार्रवाई उससे कहीं ज्यादा सख्त है। योगी सरकार के कार्यकाल में यह बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर है, जहां अपराधी भागते नहीं, पकड़े जाते हैं; और लड़कियों की सुरक्षा सिर्फ वादा नहीं, जमीनी हकीकत है।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. शहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774
क्लीनिक-1
क्लीनिक-2

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
NOBLE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच
◆ HbA1c की जाँच
◆ हड्डी की जाँच (BMD)
◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ यूरिक एसिड
◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

बीएलओ की मौत मामले में सरकार नहीं चेती तो सदन में मजबूती से मुद्दा उठाएगा विपक्ष: डॉ. रागिनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने गुरुवार को मल्हनी निवासी मृत शिक्षक विपिन यादव के परिजनों से मुलाकात की। विधायक ने परिवार के लोगों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने मृतक के माता-पिता को पूर्ण रूप से आश्वस्त किया कि यदि सरकार मौत के पीछे दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेगी तो विपक्ष सदन में यह मुद्दा उठायेगा। उन्होंने सरकार द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया कम समय में ही आम जनमानस में बिना प्रचार- प्रसार के बीएलओ एवं जनता पर थोपने पर सवाल उठाया है। कहा कि इसके लिए सरकार को जनता के बीच जाकर इसके बारे में बताना चाहिए। बीएलओ को प्रशिक्षित करना चाहिए ताकि वह अच्छे ढंग से इस प्रक्रिया के बारे में जनता को समझा सकें। आम जनता के लिए सरकार को एसआईआर की प्रक्रिया की जानकारी एवं शिकायत के लिए टॉल फ्री नंबर जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि इसकी एक प्रणाली विकसित करे। इतना ही नहीं एक समिति का गठन भी करना चाहिए जहां बीएलओ अपनी समस्या एवं शिकायत दर्ज करा सकें और उनकी समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक काम न करके बीजेपी के एजेंट की भूमिका निभा रहा है। विधायक ने देश के विभिन्न राज्यों में हुई बीएलओ की मौत को प्रशासनिक हत्या करार दिया। देश के विभिन्न राज्यों में मृत बीएलओ परिवार के एक सदस्य को नौकरी, एक करोड़ मुआवजा सहित हर प्रकार के संरक्षण देने के लिए आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस गंभीर समस्या को लेकर आवश्यक कदम नहीं उठाएगी तो आने वाले समय में सभी बीएलओ के परिजन और सगे संबंधी मिलकर सरकार की तख्ता पलट करेंगे। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को सभी बीएलओ और उनके परिजनों के लिए सदमा बताया। उन्होंने इसे सभी बीएलओ के लिए अमानवीय, असंवैधानिक एवं मशीनरी व्यवस्था बताया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए चुनाव आयोग, सरकार और प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है। कहा कि स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के अत्यधिक दबाव एवं प्रताड़ना तथा निलंबन की धमकी को सहन न कर पाने के कारण विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। डॉ. रागिनी ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ चुनाव आयोग से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की जाएगी : अजीत प्रजापति

पार्टी ने नेता नहीं बल्कि एक कार्यकर्ता को आपके बीच में जिलाध्यक्ष घोषित कर भेजा है : सुशील उपाध्याय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने जौनपुर जनपद में संगठनात्मक बदलाव करते हुए पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं माटी कला बोर्ड के सदस्य अजीत प्रजापति को नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति बिजेथुआ धाम का दर्शन करने के बाद वह शाहगंज पहुंचे जहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया उसके उपरान्त वह बदलापुर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया ' फिर नौपेडवा में स्वागत किया गया इसके बाद वह सीधे सिहीपुर स्थित कार्यालय पर पहुंचे जहा उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया गया उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी संगठन में उनकी सक्रियता और जमीनी पकड़ को देखते हुए सौंपी है नियुक्ति के बाद जिले में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल है।

संगठन की मजबूती से प्राथमिक लक्ष्य

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में पार्टी नेतृत्व का आभार जताया कहा कि वे पार्टी की नीतियों और संगठन की मजबूती को प्राथमिकता देते हुए जनपद को संगठनात्मक रूप से शीर्ष पर ले जाने का प्रयास करुगा उन्होंने यह भी कहा कि संगठन को ओर से जिले के विकास को नई दिशा देना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा।

संघ से लेकर भाजपा में सक्रिय भूमिका

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने राजनीति की शुरूआत पहले वो राष्ट्रीय सेवक संघ के स्वंसेवक के रूप में की उसके उपरान्त वह संघ के खंड कार्यवाह के रूप में कार्य किए उनकी संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने पिछड़ा प्रकोष्ठ में जिला संयोजक बनाए, गए उसके उपरान्त 2013 में पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह के टीम में जिला मंत्री बनाया गए, यही से उनकी भाजपा में सक्रिय राजनीति की शुरूआत हुई 2015 में पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय के टीम में जिला उपाध्यक्ष बनाए गए इस समय वर्तमान में सुल्तान पुर में जिला प्रवासी बनाए गए है।

कार्य कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और मिठाई वितरण के साथ नए जिलाध्यक्ष का स्वागत किया उन्हें शॉल और फूल माला से सम्मानित भी किया गया। स्वागत करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि ने कहा कि संगठन ने एक कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी है वे पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता की बात सुनी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने नेता नहीं बल्कि एक कार्यकर्ता को आपके बीच में जिलाध्यक्ष घोषित कर भेजा है उन्होंने आगे कहा कि हमको ये कहते हुए गर्व करते हुए कहा कि मै ऐसी टीम घोषित किया था जो जौनपुर और मछली शहर के निवर्तमान और वर्तमान जिलाध्यक्ष हुए। निवर्तमान जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है उसका कार्यकर्ता प्रत्येक चुनाव में पूरी कर्मठ और ईमानदारी के साथ पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा लगाता है केवल संगठन के प्रति निष्ठा रखने वाले व्यक्ति को ही मौका मिलते तब ही जिले का संगठन मजबूत होगा।

जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की जाएगी उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया संगठन को मजबूत करने और अंत्योदय के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने किया स्वागत करने वालो में सुशील मिश्र, सुनील तिवारी ,संदीप तिवारी, पंकज मिश्र ,कृष्ण कुमार जायसवाल ,मनोरमा मौर्य ,रामसूरत मौर्य ,संतोष सिंह ,सुधाकर उपाध्याय ,राजू दादा, नरेंद्र उपाध्याय ,अनिल गुप्ता, सुरेश धुरिया ,आमोद सिंह ,रोहन सिंह ,भूपेंद्र सिंह ,सुधांशु सिंह ,परविंदर चौहान, इंद्रसेन सिंह ,घनश्याम यादव, लवकुश सिंह ,सिद्धार्थ सिंह ,शनि शुक्ला ,अवनीश यादव जितेंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

डॉ अफरोज अहमद की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी की उपस्थिति में जिला पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण समिति की बैठक जज एवं सदस्य, राष्ट्रीय हरित अधिकरण डॉ. अफरोज अहमद की अध्यक्षता एवं डीएम विपिन कुमार जैन की उपस्थिति में आयोजित की गई, जिसमें जनपद के पर्यावरणीय संतुलन, नदी संरक्षण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्रदूषण निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में सुआव नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्य NGT डॉ. अफरोज अहमद ने कहा कि सुआव नदी के जीर्णोद्वार हेतु समन्वित योजनाएं तैयार कर प्रभावी रूप से क्रियान्वित की जाएं। उन्होंने कहा कि नदी क्षेत्र में अतिक्रमण आदि न हो , ताकि नदी का प्राकृतिक स्वरूप पुनर्स्थापित हो सके। बैठक में जिले में प्रदूषण स्तर की निगरानी, औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, वृक्षारोपण अभियान एवं भू-जल संरक्षण के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा आरटीसी प्रशिक्षुओं के साथ बहुउद्देशीय हाल में आयोजित की गई विशेष गोष्ठी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा आरटीसी प्रशिक्षुओं के साथ बहुउद्देशीय हाल में आयोजित की गई विशेष गोष्ठी, गोष्ठी के दौरान साइबर अपराध एवं महिला अपराध से संबंधित बीएनएस की धाराओं पर विस्तृत चर्चा, आरटीसी प्रशिक्षुओं के साथ पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देशीय हाल में एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें साइबर अपराध, महिला अपराध तथा भारतीय न्याय संहिता में उल्लिखित संबंधित धाराओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। गोष्ठी के प्रमुख बिंदु, साइबर अपराध- गोष्ठी में साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षुओं को निम्न विषयों पर अवगत कराया गया। ऑनलाइन फ्रॉड, फि शिंग, हैकिंग, आईटी एक्ट व संबंधित बीएनएस धाराएँ, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न, डिजिटल धोखाधड़ी, सोशल मीडिया अपराध, डेटा चोरी और पहचान संबंधी प्रावधान, डिजिटल साक्ष्य के संरक्षण एवं विश्लेषण की प्रक्रिया, महिला अपराध - महिला सुरक्षा आज की प्राथमिक आवश्यकता है। प्रशिक्षुओं को बीएनएस में निहित महिला सुरक्षा सम्बन्धी धाराओं का विस्तृत विवरण दिया गया, जिनमें शामिल हैं। लैंगिक उत्पीड़न, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, स्टॉकिंग, वॉयूरिज्म, छेड़छाड़ से संबंधित प्रविधान, महिला तस्करी, बलपूर्वक विवाह, शिशु/किशोरी अपराध, FIR पंजीकरण, पीड़ित सहायता, वन-स्टॉप सेंटर की भूमिका,भारतीय न्याय संहिता में उल्लिखित प्रमुख धाराएँ-गोष्ठी में प्रशिक्षुओं को निम्न विषयों पर विशेष जानकारी दी गई। साइबर अपराध से संबंधित की प्रमुख धाराओं की परिभाषाएँ, महिला अपराध से संबंधित अद्यतन धाराएँ एवं दंड प्रावधान, जांच प्रक्रिया, आवश्यक सतर्कताएँ एवं साक्ष्य संकलन, कोर्ट में प्रस्तुतिकरण एवं विधिक प्रक्रिया की महत्ता,सोशल मीडिया सेल आदि के बारे में।

फिल्मी सितारों ने थामा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का दामन

मुंबई। उत्तर मुंबई कांदिवली पश्चिम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) के प्रदेश महासचिव तथा हिंदी भाषी प्रकोष्ठ के महाराष्ट्र प्रमुख डॉ.पारसनाथ तिवारी के नेतृत्व में, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार व प्रदेश अध्यक्ष सुनिल तटकरे के विचारों को हिंदीभाषियों तक पंहुचाने के लिये फिल्म अभिनेता राजीव सिंह, फिल्म लेखक मनोज पाण्डेय, अमित ठाकुर सहित दर्जनों लोग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार)में शामिल हुये। कार्यक्रम में पार्टी के जिला पदाधिकारी राणा सुदर्शन सिंह, हिंदीभाषी सेल के प्रदेश महासचिव राजकुमार तिवारी, सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष मुनीब पाण्डेय सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

तनूरा स्वेथा मेनन और सुनील शेट्टी ने शुरू किया 'AgeWell'

मुंबई। सीरियल उद्यमी तनूरा स्वेथा मेनन ने वेलनेस आइकन और फिटनेस चैंपियन सुनील शेट्टी के साथ मिलकर AgeWell की शुरुआत की घोषणा की है। 40 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया यह भारत का पहला समग्र वेलनेस इकोसिस्टम है। इसमें एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स, हेल्दी एजिंग सॉल्यूशन्स और लॉन्गेविटी पर केंद्रित कम्युनिटी प्लेटफॉर्म्स को एक साथ जोड़ा गया है। AgeWell सिर्फ प्रोडक्ट्स का लॉन्च नहीं है, बल्कि सह-संस्थापक तनूरा स्वेथा मेनन, मितलाज और शाहिन फज़ीन के जीवन अनुभवों पर आधारित एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने भारत में बुजुर्गों की जरूरतें, छूटे हुए अवसर और मौजूदा व्यवस्थाओं की कमियाँ करीब से समझीं और हर परिवार के लिए एकीकृत वेलनेस इकोसिस्टम तैयार किया है। विज्ञान-आधारित न्यूट्रास्यूटिकल्स, डिजिटल वेलनेस कम्युनिटी प्लेटफॉर्म, प्रिवेंटिव हेल्थ सॉल्यूशन्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए लिविंग स्पेसेस—इन सभी के एकीकृत दृष्टिकोण से माध्यम से AgeWell का उद्देश्य उम्र बढ़ने को कमी नहीं, बल्कि जीवन का जश्न मनाने वाला चरण मानने का है। जब मैं चालीस वर्ष की हुई, तो वह मुझे किसी संकट की तरह नहीं लगा—उसने मुझे आईना दिखाया। वह थकान जिसे मैंने नजरअंदाज किया था, वे हार्मोनल बदलाव जिन्हें मैंने महत्व नहीं दिया, और वेलनेस से जुड़ी वे कमियाँ जिन पर मैंने कभी ध्यान नहीं दिया—सब कुछ साफ दिखाई देने लगा। अपनी ही स्वास्थ्य को समझने की कोशिश करते हुए मुझे महसूस हुआ कि लाखों भारतीय उम्र से जुड़े ऐसे ही शांत संघर्षों से गुजर रहे हैं। AgeWell उसका मेरा उत्तर है—एक ऐसी पहल जो शक्ति का उत्सव मनाती है, बदलावों को समर्थन देती है, और प्रिवेंशन, कम्युनिटी और क्लैरिटी को अच्छे जीवन जीने के हमारे सबसे बड़े साधन बनाती है, ऐसा AgeWell की संस्थापिका तनूरा स्वेथा मेनन ने कहा।

जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में जनपद स्तर से लेकर प्रत्येक बूथ स्तर तक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अन्तर्गत मतगणना प्रपत्र भरने हेतु जागरूक करने के लिए मुनादी करायी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि वे घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जनपद में सभी तहसीलों में विशेष पुनरीक्षण कार्य की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है और इसके साथ ही नियमित रूप से राजनैतिक दलों को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी समस्याओं का भी समाधान किया जा रहा है।

पी.एम. कुसुम योजना से मिलेंगे सोलर पंप, ऑनलाइन करना होगा आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसानों के लिए खुशखबरी है। बिजली आने का इंतजार नहीं करना पडेगा। क्योंकि सरकार सोलर पंप उपलब्ध करा रही है। जौनपुर जनपद को 429 सोलर पंप का लक्ष्य आवंटित किया गया है। इस योजना हेतु इच्छुक कृषक का पंजीकरण कृषि विभाग के विभागीय वेबसाइट पर होना अनिवार्य है। अनुदान पर सोलर पंप की बुकिंग हेतु विभागीय वेबसाइट लिंक पर क्लिक करके की जायेगी। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी गई है। पोर्टल पर 15 दिसंबर तक किसान ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है। इसके लिए पॉच हजार रुपए टोकन मनी के रूप में जमा करने होंगे और टोकन आवंटित होने के बाद दिये गये समय अवधि में किसान को अपना निर्धारित कृषक अंश जमा कराना होगा। अगर समय अवधि में किसान अपना निर्धारित कृषक अंश जमा नही किया तो टोकन निरस्त हो जाएगा और टोकन मनी के रूप में जमा की गयी निर्धारित धनराशि विभाग द्वारा जब्त कर ली जायेगी।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि पी0एम0 कुसुम योजना के अंतर्गत सोलर पंप आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जौनपुर जनपद को 429 सोलर पंपों का लक्ष्य आवंटित किया गया है। यह सोलर पम्प अनुदान पर आवंटित किए जाएंगे। बताया कि दो एच0पी0 डी0सी0 सरफेस पंप का मूल्य 164322 रुपए, जिसमें अनुदान 98593 रुपए दिया जाएगा। किसान को 60729 रुपए का अंशदान जमा करना है। दो एच0पी0 ए0सी0 सरफेस पंप की कीमत भी उक्त है और अंशदान भी। दो एच0पी0 डी0सी0 सबमर्सिबल पंप की कीमत 167025 रुपए है, इसमें अनुदान 100215 रुपए है, जबकि किसान का अंश 61810 रुपए है। दो एच0पी0 डी0सी0 पंप का मूल्य 166578 रुपए है, किसान का अंश 61631 रुपए है। तीन एच0पी0 डी0सी0 पंप का मूल्य 222701 रुपए है। इसमे अनुदान 133621 रुपए है, जबकि किसान का अंश 84080 रुपए है। तीन एच0पी0 ए0सी0 पंप की कीमत 220523 रुपए है, इसमें अनुदान 132314 रुपएं है, जबकि किसान का अंश 83209 रुपए है। पॉच एच0पी0 ए0सी0 पंप की कीमत 313397 रुपए है, इसमें अनुदान 188038 रुपएं हैं, जबकि किसान का अंश 120359 है। 7.5 एच0पी0 ए0सी0 पंप का मूल्य 424972 रुपएं है, इसमें अनुदान 254983 रुपए है, जबकि किसान का अंश 164989 रुपए है। दस एच0पी0 ए0सी0 पंप का मूल्य 533610 रुपए है, इसमें अनुदान 254983 रुपए है, जबकि किसान का अंश 273627 रुपए है। बताया कि जनपद में 429 सोलर पंप आवंटित करने का लक्ष्य है। बताया गया कि 15 दिसंबर तक ही आवेदन कर सकते है। इसके बाद आवेदन नही होगा। बताया कि टोकन मनी के रूप में पॉच हजार रुपए फीस लगेगी। ऑनलाइन आवेदन ही विभाग द्वारा स्वीकार किया जाएगा।

निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मियों का ज्वालामुखी फटा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के विरोध में चल रहा आंदोलन आज एक वर्ष पूरा कर गया। आंदोलन की 365वीं वर्षगांठ पर वाराणसी में भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय के बाहर हजारों बिजली कर्मियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ0प्र0 के बैनर तले प्रदेश संयोजक ई. शैलेन्द्र दुबे के नेतृत्व में हुआ।

सभा को संबोधित करते हुए ई. शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि ऊर्जा मंत्री महाकुंभ की सफलता का श्रेय निजी कंपनी को देने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि महाकुंभ की दूधिया रोशनी का हर फ्रेम हमारे सरकारी विभाग ने गढ़ा था, जिसे अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने विश्वभर में प्रसारित किया। इसके बाद भी हमें सम्मान देने के बजाय निजीकरण का जहर पिलाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यही रवैया बिजली कर्मियों के भीतर गहरा आक्रोश पैदा कर रहा है। इस मौके पर बिजली कर्मियों ने शपथ ली, जब तक पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय निरस्त नहीं होता और सभी उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां वापस नहीं ली जातीं, आंदोलन जारी रहेगा, चाहे कितने भी वर्ष लग जाएं। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि निजीकरण को आगे बढ़ाने के लिए पावर कॉर्पोरेशन ने घाटे के गलत आंकड़े प्रस्तुत किए थे। समिति के अनुसार, यदि सरकारी बकाया और सब्सिडी की राशि निगमों को दे दी जाए तो वे घाटे में नहीं हैं। विद्युत नियामक आयोग ने भी समिति के दावे पर मुहर लगाते हुए कहा कि 1 अप्रैल 2025 को निगमों के पास 18,925 करोड़ रुपये सरप्लस थे। इसी आधार पर इस वर्ष बिजली टैरिफ नहीं बढ़ाया गया। बिजली कर्मियों ने प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए, 25,000 से अधिक संविदा कर्मियों को आंदोलन समर्थन के चलते हटाया गया. फेशियल अटेंडेंस के नाम पर हजारों का वेतन महीनों रोका गया, महिलाओं सहित कई कर्मियों का मनमाना दूरस्थ स्थानों पर ट्रांसफर, संघर्ष समिति पदाधिकारियों पर डिस्प्रोपोर्शनेट एसेट का झूठा मुकदमा, चेयरमैन की वीसी का बहिष्कार करने पर 87 विद्युत अभियंताओं को चार्जशीट, प्रमोशन रोका, मार्च 2023 आंदोलन के बाद की दमनात्मक कार्रवाइयांकृऊर्जा मंत्री के आदेश के बाद भी वापस नहीं, वक्ताओं ने कहा कि प्रबंधन निजीकरण थोपने के लिए इस तरह के दबाव दे रहा है, पर कर्मी झुकने को तैयार नहीं। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि सरकार बिजली कर्मियों व पेंशनरों की रियायती बिजली सुविधा समाप्त करना चाहती है। इसके लिए उनके घरों पर जबरन प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। समिति ने कहा कि यह उत्पीड़न का नया तरीका है, जिसका पुरजोर विरोध जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि एक वर्ष से लगातार सड़क पर उतरने के बावजूद बिजली कर्मियों का मनोबल कम नहीं हुआ है। समिति का स्पष्ट संदेश, निजीकरण रुके बिना यह आंदोलन नहीं रुकेगा, भले कितने ही वर्ष बीत जाएं। सभा की अध्यक्षता ई. शैलेन्द्र दुबे और संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया। सभा को ई. शैलेन्द्र दुबे, अजय सिंह, ई. मायाशंकर तिवारी, ओ.पी. सिंह, राजेन्द्र सिंह, ई. पुष्पेन्द्र सिंह, वंदना पाण्डेय, सतीश बिंद, उदयभान दुबे, निखिलेश सिंह, जिउतलाल, राजेश सिंह, गिरीश यादव, जितेन्द्र यादव, रामाशीष सिंह, कृष्णा सिंह, रामकुमार झा, सुनील कुमार, जे.पी.एन. सिंह, ई. सौरभ मिश्रा, निरंजन सिंह, अनिल कुमार सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

ZEE5 ने साली मोहब्बत' का रोमांचक ट्रेलर किया रिलीज, 12 दिसंबर को होगी स्ट्रीमिंग

नवी मुंबई। हिंदी ZEE5 ने आज अपनी आने वाली ऑरिजिनल फिल्म, साली मोहब्बत का बेहद रोमांचक ट्रेलर रिलीज किया। हाउ-डनिट जॉनर की ये फिल्म दर्शकों को लुभाने वाली है, और ये टिस्का चोपड़ा की फीचर-फिल्म डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है जो सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस फि ल्म में राधिका आप्टे, दिव्येंदु शर्मा, अनुराग कश्यप, अंशुमान पुष्कर, शरत सक्सेना, सौरसेनी मैत्रा ने दमदार अभिनय किया है, साथ ही कुशा कपिला का एक खास कैमियो भी है। जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्टेज5 प्रोडक्शन द्वारा प्रोड्यूस की गई ये फिल्म दर्शकों को तनाव और जज्बातों से भरी दुनिया में ले जाती है, जहाँ सच उतना आसान नहीं, जितना दिखाई देता है। IFFI और शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में भरपूर तारीफ पाने वाली फिल्म, साली मोहब्बत 12 दिसंबर को सिर्फ एए5 पर प्रीमियर के साथ ज्यादा-से-ज्यादा दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। स्मिता, जिसका किरदार राधिका आप्टे ने निभाया है, फुरसतगढ़ जैसे बेहद शांत शहर में बिल्कुल सुरक्षित, और लगभग गुमनाम ज़िंदगी जीती है। यहाँ वो अपने हरे-भरे बगीचे की देखरेख करती है और उसे हर पत्ता अपना हमदर्द लगता है। उसे अपने पेड़-पौधों, अपने पति और रोजमर्रा के कामकाज की जानी-पहचानी रूटीन में सुकून मिलता है, जिसे वह हर दिन पूरी लगन से निभाती है। उसकी दुनिया बहुत छोटी है जिसमें कुछ भी नया नहीं, मानो बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग हो।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए दिव्येंदु शर्मा ने कहा, ट्रेलर देखकर मुझे ये बात सबसे अच्छी लगी कि, यह ज्यादा राज खोले बिना ही किरदारों के जज्बातों की उथल-पुथल को बखूबी दिखाता है, और देखने वालों को इस कहानी का हिस्सा बना लेता है।

फेडएक्स की गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी

मुंबई। फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन, दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस परिवहन कंपनी, और गति शक्ति विश्वविद्यालय, जो संसद के अधिनियम के माध्यम से स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, ने लॉजिस्टिक्स शिक्षा, कौशल विकास और छात्रों के लिए उद्योग-आधारित अनुभव के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एलओआई अकादमिकझ्रउद्योग सहयोग के संभावित क्षेत्रों का विवरण प्रस्तुत करता है, जिनमें लर्निंग मॉड्यूल्स का सह-विकास, वास्तविक केस स्टडीज, अतिथि व्याख्यान, वर्कशॉप्स और लॉजिस्टिक्स परिचालनों में व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना शामिल है। इन चचाओं का उद्देश्य एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है, जहाँ छात्र लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की आधुनिक प्रवृत्तियों, चुनौतियों और नवाचारों की गहरी समझ विकसित कर सकें। फेडएक्स के मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका के भारत संचालन, नियोजन एवं इंजीनियरिंग के वाइस प्रेसिडेंट सुवेंदु चौधरी ने कहा, भारत का लॉजिस्टिक्स परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की दिशा अगली पीढ़ी के पेशेवर तय करेंगे। उद्योग की जानकारियों को औपचारिक शिक्षा में शामिल करके, यह पहल अकादमिक और उद्योग के बीच की दूरी कम करती है और छात्रों को आधुनिक लॉजिस्टिक्स भूमिकाओं के लिए व्यावहारिक और जॉब के लिए तैयार कौशल विकसित करने में सक्षम बनाती है। गति शक्ति विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. मनोज चौधरी ने कहा, फेडएक्स और जीएसवी के बीच यह सहयोग लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन क्षेत्र में डिजिटाइजेशन और उन्नत तकनीक-आधारित प्रणालियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कौशल विकास और मानव संसाधन क्षमता पर जोर देना पूरे लॉजिस्टिक्स उद्योग को गति देगा। यह एलओआई भारत में कौशल विकास को समर्थन देने में फेडएक्स की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आईआईटी मद्रास और आईआईटी बॉम्बे के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे पिछले उपक्रम और युवा पेशेवरों के लिए डिजिटल अपस्किलिंग कार्यक्रम, देश में लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को मजबूत करने के प्रति कंपनी के सतत प्रयास को रेखांकित करते हैं।

विवादित टिप्पणी करने वाले IAS अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा हाल ही में दिए गए विवादित और आपत्तिजनक बयान का विरोध तेज हो गया है। गुरुवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.) के जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन न्यायिक मजिस्ट्रेट गरिमा जायसवाल को सौंपा। जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में ज्ञापन स्वीकार किया गया। ज्ञापन सौंपने के बाद जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे ने कहा कि अधिकारी द्वारा की गई टिप्पणी न सिर्फ महिलाओं के प्रति अमर्यादित है, बल्कि समाज में वैमनस्य फैलाने वाली भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी किसी भी ऊँचे पद पर पहुँच जाएं, उनकी मानसिकता नहीं बदलती। समाज और धार्मिक संगठनों में इस बयान को लेकर तीखा आक्रोश है। चौबे ने मांग की कि आईएएस संतोष वर्मा को तत्काल बर्खास्त किया जाए तथा उन पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक ऐसे अधिकारी दंडित नहीं होंगे, तब तक इस तरह की अमर्यादित भाषा और विवादित बयानबाजी पर रोक लगाना मुश्किल होगा। ज्ञापन देने वालों में कृष्ण चन्द्र दूबे, धर्मदत्त उपाध्याय, दीपक पाण्डेय, संजीव पाण्डेय, कुशल उपाध्याय, अजय कुमार त्रिपाठी, अवध नारायण तिवारी,अनिल कुमार मिश्र, राजेश दुबे, बेचन मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शेषधर बिंद को सामाजिक गुरु रत्न से किया गया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित भव्य समारोह में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेषधर बिंद को बिंद समाज के सामाजिक गुरु का दर्जा प्रदान करते हुए ह्लसामाजिक गुरु रत्न से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम दादर (पश्चिम), पर्ल सेंटर बिल्डिंग स्थित 116 जेजुरकर क्लासेस में बड़े पैमाने पर संपन्न हुआ।

डॉ. शेषधर बिंद पिछले तीन दशकों से समाजसेवा, जनजागरण, परोपकार, सौहार्द और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। 1994 से लगातार समाज की गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए उन्होंने बिंद, केवट, मल्लाह, निषाद, माझी, मझवार, साहनी, महतो, कश्यप, नाविक, रैकवार, लोधी सहित पिछड़े वर्गों और सर्व समाज के उत्थान के लिए कार्य किया है।

उनके सहयोग, सहनशीलता, दयालुता और संघर्षशील व्यक्तित्व ने उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनाया। लगभग 15 वर्षों से समाज में उन्हें सामाजिक गुरु के रूप में जाना जाता है। समाज के लगभग 55 जिलों के समाजसेवियों से विचार-विमर्श कर, उनके कार्यों को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से उन्हें सामाजिक गुरु रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

सम्मान प्राप्त करते हुए डॉ. शेषधर बिंद ने कहा बिंद समाज ने जो शक्ति और विश्वास मुझे दिया है, मैं जीवन भर निस्वार्थ भाव से समाज के हर पहलू में साथ खड़ा रहूंगा और समाज को सशक्त व जागरूक बनाने का कार्य करता रहूंगा। कार्यक्रम में बीएसवीएस संघ के लगभग 70 जुझारू, कर्मठ और सक्रिय पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी बिंद समाज रत्न सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से स्वामीनाथ बिंद, प्रदीप कुमार बिंद, अनिल कुमार बिंद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामजी बिंद, राष्ट्रीय सचिव बिनोद कुमार बिंद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक कुमार नाविक, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अजय कुमार बिंद, महाराष्ट्र प्रवक्ता विनोद बिंद, राष्ट्रीय समिति सदस्य अरविंद कुमार बिंद, संगठन मंत्री धर्मपाल बिंद, राष्ट्रीय संरक्षक बेचू लाल बिंद, शाखा अध्यक्ष विजय कुमार बिंद, राजेंद्र प्रसाद निषाद, विशाल बिंद, शिवशंकर बिंद, युवासेना उपाध्यक्ष अखिलेश बिंद, संगठन मंत्री राज बिहारी बिंद, अनीता बिंद, रुचि बिंद, कलावती बिंद, रामबहादुर बिंद, सुजीत बिंद, कवि विनय शर्मा आदि शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने डॉ. शेषधर बिंद को ह्लसामाजिक गुरुह्व बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा उनके सामाजिक योगदान को समाज के लिए अनुकरणीय बताया।